



• वर्ष : 2 • अंक : 18 • 31 दिसंबर, 2025, बुधवार

• Email : guj.abhgb@gmail.com  
• Website : https://hgbsgujarat.org

तंत्री एवं प्रधान संपादक : विजयकुमार छत्रपालजी शर्मा (चौरीवाड-साबरकांठा) सहलंत्री • कमलेश शर्मा (पनवाडिया-थोलाईवाले), • रामअवतार एम.शर्मा (कुडाया), अहमदाबाद, • उमेश कुडाया (कठवाडा)

# श्री श्याम मित्र मंडल - सिद्धपुर द्वारा खाटू श्याम आराधना महोत्सव का भव्य आयोजन



**हितेश शर्मा एवं हार्दिक शर्मा, सिद्धपुर से पत्रिका सहयोगी :** 15 नवम्बर 2025 शनिवार को सिद्धपुर - श्री खाटू श्याम जी आराधना महोत्सव 2025 अंतर्गत निशान नगरयात्रा भव्य रंगारंग तरीके से संपन्न हुई। श्री श्याम मित्र मंडल की पूरी टीम एवं महिलाओं ने बाबा श्याम जी के गानों पर खूब डांस किया। देर शाम योगांजलि सोसायटी का मैदान, योगांजलि स्कूल के पास, सिद्धपुर में श्री श्याम आराधना महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया था। सिद्धपुर टीम एवं श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज गुजरात समाजबंधुओं को सार्वजनिक निमंत्रण दिया गया था। इसलिए गुजरात से कई जिलों से समाजबंधुओं ने सिद्धपुर में खाटू श्यामजी के भक्ति गानों एवं भजनो का लुप्त उठाया। पूरे उत्सव में श्याम के जयकारे गूंजते रहे, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। आरती, भजन-कीर्तन और पूजा के साथ, सभी ने समाज में प्रेम, एकता और सेवा की भावना के विकास के लिए प्रार्थना की। इस प्रोग्राम के लिए खाटू श्याम

के भजन गाने वाले मशहूर आर्टिस्ट केमिता राठौड़, निमी पांचाल, विशाल सेलानी, राहुल चतुर्वेदी को बुलाया गया था। उन्होंने एक के बाद एक दमदार भजन गाकर भक्ति का माहौल बना दिया। हर कोई भजन संगीत की धुन पर खाटू श्याम के कीर्तन में डूबा हुआ दिखा। सिद्धपुर - श्री खाटू श्याम जी आराधना महोत्सव 2025 अंतर्गत अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात महासभा की प्रदेश अध्यक्ष समेत कई सदस्यों ने शिरकत की। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात महासभा प्रदेश अध्यक्ष रामजीलालजी जोशी (खेडा-नारनोलिया), प्रदेश महामंत्री कमलेशजी पनवाडिया, खैरातीलाल शर्मा, दशरथजी शर्मा समेत कई सदस्यों ने उपस्थित रहकर सिद्धपुर युवा टीम को इस भव्य सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिए हार्दिक बधाई अभिनंदन एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। सिद्धपुर टीम द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया। प्रदेश महासभा की टीम ने इस भव्य सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिए सिद्धपुर टीम

को हार्दिक बधाई अभिनंदन एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस समारोह में सिद्धपुर के मौजूदा MLA बलवंतसिंह राजपूत भी खास मेहमान के तौर पर मौजूद रहे। सिद्धपुर नगर पालिका के पदाधिकारी और BJP कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिससे आयोजकों का उत्साह बढ़ गया। MLA ने मंच से आयोजकों को शानदार उत्सव आयोजित करने के लिए बधाई दी। इस बारे में सिद्धपुर के विधायक श्री बलवंत सिंह राजपूत ने अपने सोशियल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि श्री श्याम मित्र मंडल, सिद्धपुर द्वारा आयोजित भव्य "श्री श्याम आराधना महोत्सव" अत्यंत आस्था, भक्ति एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने भाग लिया और सभी ने खाटू श्यामजी की असीम कृपा प्राप्त की। महोत्सव में गूंजते "श्री श्याम" के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आरती, भजन-कीर्तन एवं आराधना के साथ श्री श्यामजी की कृपा का अनुभव किया गया तथा समाज

में प्रेम, एकता एवं सेवा भावना के विकास हेतु प्रार्थना की गई। इस कार्यक्रम में श्री विष्णुभाई पटेल, श्री कौशलभाई जोशी, श्री निरंजनभाई ठाकर, श्री भरतभाई मोदी, श्री मिहिरभाई पाध्या, श्री शैलेशभाई पंचोली, श्री जशुभाई पटेल, श्री दशरथभाई पटेल, श्री राजीवभाई पाध्या, श्री जे.डी. पटेल, श्री श्याम मित्र मंडल के मित्रगण एवं बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे। खाटू श्याम आराधना महोत्सव में सिद्धपुर युवा टीम द्वारा पूर्व कांग्रेस विधायक चंदनजी ठाकोर का स्वागत किया गया। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के कार्यकर्ताओं में आशीष शर्मा, लवकुश शर्मा, हितेश शर्मा, अमित शर्मा, हार्दिक शर्मा, भास्कर शर्मा, दिलीप शर्मा, मनीष शर्मा, निकुंज शर्मा, शनि शर्मा एवं श्री श्याम मित्र मंडल सिद्धपुर के सभी कार्यकर्ता मिलकर "भव्य श्री श्याम आराधना महोत्सव" को सफल बनाया। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम धार्मिक कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सिद्धपुर टीम को बधाई देती है। आपके द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम

अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा। धर्म, संस्कार और समाज की भावना को आगे बढ़ाने वाले इस सफल आयोजन से समाज में एकता, सेवा और संस्कारों का संचार होता है। इस धार्मिक कार्यक्रम ने समाज में अध्यात्म, सद्भावना और संस्कारों की नई ऊर्जा जगाई है। ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेरणा का स्रोत बने रहें। कोई भी कार्य अगर निष्ठा, सेवा भावना और समर्पण से किया जाए तो सफलता जरूर मिलती है। सिद्धपुर टीम ने यह साबित कर दिया। लेकिन, यह तो शुरुआत है। यह अंत नहीं है। ऐसे प्रोग्राम की बहुत ज़रूरत है जो समाज में धार्मिक रुचि जगाएं जिससे समाज में धार्मिक भावना पैदा हो। भजन, कीर्तन, सत्संग, प्रवचन आदि मन और विचारों को शांति प्रदान करते हैं। इससे तनाव, चिंता और नकारात्मक भाव कम होते हैं। ऐसे कार्यक्रम केवल आस्था का विषय नहीं होते, बल्कि समाज को संस्कार, एकता, मानसिक शांति, सेवा और संगठन की दिशा में आगे बढ़ाने का माध्यम होते हैं। बोलो हारे का सहारा, खाटू श्याम हमारा खाटू नरेश की जया

साबरकांठा ज़िले के हिम्मतनगर में सभी समुदायों के नेता एक साथ आए और कलेक्टर को एक पिटीशन दी कि भागकर शादी करने वालों के रजिस्ट्रेशन कानून में बदलाव किया जाए, जिससे समाज में अराजकता का माहोल पैदा हो रहा है और समाज के बाहर लव मैरिज हो रही हैं। अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजयभाई पंडित के मार्गदर्शन में साबरकांठा-अरवल्ली ज़िले के अध्यक्ष चंद्रेशभाई शर्मा (चोरीवाड़) और अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के प्रदेश महामंत्री योगेंद्र शर्मा (दहेगाम), प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेशभाई पंडित ने सर्व समाजबंधुओं के लीडर्स के साथ मिलकर पूरे समुदाय के साथ मिलकर सोशल अवेयरनेस की पहल की और ज़िला कलेक्टर को एक पिटीशन दी जिसमें कानून में बदलाव की रिक्वेस्ट की गई। इस मौके पर हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज गुजरात की ओर से सभी समुदायों के नेताओं के साथ अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के कोषाध्यक्ष सुरेशभाई पंडित, साबरकांठा-अरावली जिले के उपाध्यक्ष राजूभाई शर्मा (रणसन), सतीशभाई पंडित (दहेगाम), दीपचंदजी शर्मा (कपड़वंज), पिंकूभाई पंडित (डाकोर), पिंटूभाई पंडित (पीज-नडियाद), श्रीराम शर्मा (रणसन), श्याम कुमार शर्मा मौजूद रहे थे। लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए हिम्मतनगर टावर चौक से कलेक्टर ऑफिस तक एक बड़ी रैली निकाली गई। इसमें सर्व समाज के अग्रणी समाजबंधुओं और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

### मुख्य मांग क्या थी?

सर्व समाजबंधुओं ने मिलकर शिकायत की है कि अपनी बेटी को लाड़-प्यार में पालने के बाद जब उसकी शादी उसके माता-पिता की इजाज़त के बिना हो जाती है, तो समाज में परिवार को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस प्रथा को कंट्रोल करने के लिए समाज के नेताओं ने कानून में बदलाव की मांग की है। साथ ही, ज़्यादातर समाजों में बेटियां दूसरे अन्य समाज में प्रेम विवाह कर लेती हैं। माता पिता को इसकी भनक नहीं होती। इस वजह से समाज में बेटियों की कमी होने के साथ-साथ प्रेम विवाह

## हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज साबरकांठा - अरवल्ली ज़िले की सर्व समाज जागृति अभियान के साथ एक शानदार पहल



के समय गवाहों समेत माता-पिता की सहमति अनिवार्य करने हेतु अर्जी दी गई है। इस स्थिति को कंट्रोल करने के लिए मैरिज रजिस्ट्रेशन एक्ट में तुरंत बदलाव किया जाना चाहिए ताकि शादी की प्रक्रिया को ज़्यादा जवाबदेह बनाया जा सके। एक 'एंटी रोमियो स्वॉड' बनाया जाना चाहिए। मैरिज रजिस्ट्रेशन बेटों के रहने वाले एरिया में ही होना चाहिए, एंटी-रोमियो स्वॉड तैनात होना चाहिए, मैरिज रजिस्ट्रेशन की जानकारी बेटों के माता-पिता को 45 दिन पहले देनी चाहिए और गवाह बाहर का नहीं बल्कि मैरिज रजिस्ट्रेशन एरिया का

ही होना चाहिए। अगर ऐसा कदम उठाया जाएगा तो ही समाज की बेटियों की जिंदगी सुरक्षित रहेगी और दो परिवारों पर पड़ने वाले बुरे असर को रोका जा सकेगा।

### भागकर शादी करने की प्रथा पर सर्व समाज बड़े आंदोलन के मूड में

हर समाज चाहता है कि उसकी बेटियां समाज में ही शादी करें और समाज में ही अपना परिवार बढ़ाएं। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि बेटियां दूसरे समाज के युवकों की बातों में आकर खुद ही फैसला कर लेती हैं। सर्व समाजबंधुओं के सदस्यों

बताया की खुशहाल और अमीर परिवारों की बेटियों को कुछ नौजवान 17 साल की होते ही अपना निशाना बना लेते हैं। 'चकुडी-बकुडी' जैसी मीठी-मीठी बातों से उन्हें बहला-फुसलाकर, नौजवान खुद को उसके लिए सबसे बेहतर साबित करने का दिखावा करता है। वे भागकर शादी तो कर लेते हैं। लेकिन बाद में धीरे धीरे उन्हें पूरी स्थिति का एहसास होता है। ऐसी शादियां ज़्यादा दिन नहीं चलतीं। और पारिवारिक कलह बढ़ते ही तलाक की नौबत आ जाती है। इस प्रक्रिया में तलाक के लिए लाखों रुपये मांगे जाने के भी उदाहरण पेश किए गए। सर्व समाजबंधुओं ने मिलकर कहा है कि आनेवाले समय में अगर कानून में बदलाव नहीं किया गया तो सर्व समाजबंधुओं बड़ा आंदोलन करेंगे।

### मैरिज रजिस्ट्रेशन एक्ट में यह बदलाव ज़रूरी है

- माता-पिता की लिखित सहमति के बिना मैरिज रजिस्ट्रेशन नहीं।
- मैरिज रजिस्ट्रेशन बेटों के रहने वाले इलाके के ऑफिस में होना चाहिए।
- मैरिज रजिस्ट्रेशन से 45 दिन पहले माता-पिता को नोटिस भेजने का कानूनी प्रावधान।
- शादी के दौरान गवाहों का बेटों के रहने वाले इलाके से होना ज़रूरी।
- मैरिज रजिस्ट्रेशन प्रोसेस में माता-पिता के साइन अनिवार्य करना।
- अगर माता-पिता की सहमति के बिना शादी होती है, तो बेटों अपने माता-पिता की संपत्ति में अपना अधिकार खो देती हैं - ऐसा कानून लाना।

### नया कानून लाएगी?

दिनांक 9 दिसंबर 2025 के दिन पार्टीदार नेताओं ने गांधीनगर में डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष संघवी से मुलाकात की। इस मीटिंग में भागकर शादी करने की प्रथा में सुधार का प्रस्ताव रखा गया। मीटिंग के बाद पार्टीदार नेताओं ने दावा किया कि सरकार को दी गई मुख्य मांगें मैरिज रजिस्ट्रेशन प्रथा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए रिजर्वेशन के मुद्दे पर थीं। सरकार ने भागकर शादी करने के मुद्दे पर की गई ज़्यादातर मांगें मान ली हैं। सरकार ने कानून बदलने का वादा किया है। सरकार ने कहा है कि गैर-कानूनी तरीके से शादी करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज की जाएगी।

पुलिस ऐसे लोगों का जुलूस निकालेगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि इस मांग का मुख्य मकसद नौजवान लड़कों और लड़कियों के भागकर शादी करने के मामलों पर रोक लगाना है, जो शादियां उनके माता-पिता की जानकारी और सहमति के बिना होती हैं।

गृह मंत्री ने मीटिंग में भरोसा दिलाया कि बोगस रजिस्ट्रेशन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एक नए कानून का भी भरोसा दिलाया। वही दूसरी ओर दिसंबर 2025 के दूसरे सप्ताह में पार्टीदार ग्रुप के लीडर वरुण पटेल समेत कई नेताओं ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात की। मीटिंग के बाद उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उनकी ज़्यादातर मांगें मान ली हैं। सरकार ने नया कानून लाने या मौजूदा कानून में बदलाव करने का भरोसा दिया है।



### हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका

नए सदस्य के रूप में केवल शर्मा (अहमदाबाद) को समाज पत्रिका टीम में शामिल किए जाने पर हार्दिक अभिनंदन

अहमदाबाद एवं दक्षिण गुजरात के समाजबंधुओं के प्रगतिशील समाचार एवं समाजलक्षी विशिष्ट जानकारी एकत्र करने में सहयोग करेंगे।

www.hgbsgujarat.org

### डॉ. अंकित रमेशजी शर्मा (MBBS)

Congratulations

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम की तरफ से अहमदाबाद में मणिनगर निवासी डॉ. अंकित रमेशजी शर्मा (MBBS) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते हैं। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। फिलहाल आप वडोदरा में अपनी इन्टरनैशनीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। आपकी इस शानदार सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं!!!



वर्ष 2025 में डॉ. अंकित रमेशजी शर्मा ने वडोदरा मेडिकल कोलेज से MBBS की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

# दिवाली पर ज़रूरतमंदों के लिए भरतभाई शर्मा का स्नेह अभियान

“फूल नहीं तो फूल की पंखुड़ी” को सार्थक बनाया और यथासंभव मिठाइयाँ बाँटीं



दिवाली का त्यौहार हर्ष, प्रकाश और प्रेम का त्यौहार माना जाता है। इस त्यौहार पर लोग अपने घरों में नए कपड़े, तरह-तरह की मिठाइयाँ और पकवान खरीदकर अपनी खुशी का इज़हार करते हैं। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज - गुजराती दिवाली के त्यौहार पर अपने स्तर पर अनेक सेवा कार्य करते हैं और सदुणों की नींव रखते हैं।

इसी कड़ी में, सिद्धपुर निवासी भरतभाई शर्मा और उनके परिवार ने दिवाली पर गरीब और ज़रूरतमंद परिवारों को मिठाई (50 किलो मोहनथाल) और फरसाण के 100 पैकेट बाँटकर एक सहायक पहल की। इस वितरण में न केवल खाली झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों और उनके परिवारों को, बल्कि गुब्बारे बेचने वालों

से लेकर कचरा बीनने वाले बच्चों तक को भी इस तरह से मिठाई बाँटी गई। “फूल नहीं तो फूल की पंखुड़ी” के आदर्श वाक्य को सार्थक बनाते हुए, भरतभाई शर्मा ने दिवाली के दौरान ज़रूरतमंद परिवारों के लिए यथासंभव कुछ न कुछ मदद करके दिवाली मनाने का निश्चय किया।

ऐसी सामाजिक पहलों से

समाज में प्रेम, सहयोग और समानता का संदेश पहुँचता है। इस पहल का उद्देश्य केवल वितरण करना ही नहीं, बल्कि समाज में एकजुटता और करुणा का संदेश फैलाना भी है। हमारे आस-पास कमज़ोर वर्ग के कई परिवार हैं जो दिवाली के त्योहारों पर महंगी मिठाइयाँ या फरसाण नहीं खरीद सकते। ऐसे में भरतभाई शर्मा परिवार द्वारा

ऐसे परिवारों के जीवन में प्रकाश और खुशियाँ भरने का प्रयास अत्यंत सहायक और स्वागत योग्य है। समाज के सभी लोगों को यथासंभव ज़रूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। इस प्रकार की मानवीय सेवा न केवल ज़रूरतमंदों की मदद करती है, बल्कि समाज में एकता, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को भी मज़बूत करती है।

## रितेश शर्मा को वडनगर पंजाब नेशनल बैंक में मिली नियुक्ति



डॉ. दौलत कुमार शर्मा, सदस्य, गुजरात पत्रिका टीम, गांधीनगर : समाज बंधु रितेश सीताराम शर्मा (बलेसरा-निवासी सैगंडो की ढाणी, अनंतपुरा, चोमू, जयपुर) को 08 अक्टूबर 2025 को लिपिकिय संवर्ग (Clerical Cadre) में ग्राहक सेवा सहयोगी के पद के लिए पंजाब नेशनल बैंक, वडनगर (जि.महेसाणा) गुजरात शाखा में नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई। आपकी मेहनत, संघर्ष और निरंतर प्रयास ने आपको यह उंचाई हासिल करने में सहायता की है। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम आपको इस पद पर नियुक्ति पाने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन देती है।

गुजरात पत्रिका टीम से बातचीत में रितेश शर्मा ने बताया कि उन्होंने अनंतपुरा गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ाई की। बाद में उन्होंने राजस्थान टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी-कोटा से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई (बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग) पास किया। पिता सीताराम शर्मा (बलेसरा) किसान हैं और

जेम इलेक्ट्रो कंपनी-जयपुर में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं। जबकि मां सीतादेवी शर्मा (बोहरा) गृहिणी हैं। रितेश के दादा का नाम भूरामलजी शर्मा है, जो किसान थे और हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा-चोमू के पूर्व तहसील अध्यक्ष थे। जबकि दादी का नाम सरजूदेवी शर्मा है, जो अनंतपुरा गांव की पूर्व सरपंच थीं। रितेश की तीन बहनें हैं, दो चाचा और एक बुआ हैं। बड़ी बहन ग्रेजुएट (बीए) हैं, जिनकी शादी हो चुकी है, जबकी दो बहनें पोस्ट ग्रेजुएट हैं और पढाई के साथ साथ सरकारी भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। रितेश के जीजाजी भी राजस्थान के दौसा में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर सरकारी नौकरी में हैं। रितेश शर्मा ने मात्र 24 वर्ष की आयु में सरकारी बैंक की परीक्षा उत्तीर्ण कर समाज को गौरवान्वित किया है। वे सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, गांधीनगर (गुजरात) में एसोसिएट प्रोफेसर (वलास-1) के रूप में कार्यरत डॉ. दौलत कुमार शर्मा, रितेश के पिता सीतारामजी के जीजाजी हैं।

## अहमदाबाद से एलएलबी कर रही शिवानी शर्मा ने वियतनाम में बजाया डंका

राजस्थान की शिवानी शर्मा सुपुत्री श्री घासीलाल जी शर्मा “ नारड्या “ डिडवाना ने हनोई, वियतनाम में आयोजित एशियाई सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ (AsianSIL) के 10वें द्विवार्षिक सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उनका ये शोध पत्र 500 से ज्यादा सारांशों में से चुने गए 88 पत्रों में से एक था, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अहमदाबाद से एलएलबी तृतीय वर्ष की छात्रा शिवानी शर्मा का शोध पत्र ‘राइजिंग सीज़, राइजिंग स्ट्रेट्स, टैकलिंग मैरीटाइम क्राइम्स फ्युएल्ड बाय क्लाइमेट चेंज इन द इंडियन ओशन’ था। ये पत्र जलवायु परिवर्तन और हिंद महासागर में समुद्री अपराधों के बीच के संबंधों पर केंद्रित था। ये सम्मेलन शिवानी शर्मा के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा। इस उपलब्धि ने उन्हें विश्व-प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों, राजनयिकों, पत्रकारों, कानूनी पेशेवरों और सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के साथ संवाद करने का अवसर प्रदान किया है।



## दहेगाम तालुका का एक उभरता हुआ युवा टैलेंट - युग विकास पंडित



गुजरात के हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज में कई बच्चे छोटी उम्र से ही किसी न किसी फील्ड में बहुत आगे देखे जाते हैं। गांधीनगर जिले के दहेगाम के रहने वाले युग विकास पंडित (उम्र-13 साल) ने क्रिकेट को अपना करियर चुना है। युग पंडित कम उम्र में ही क्रिकेट में अपना हुनर दिखा रहे हैं। युग पंडित ने गांधीनगर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के U-14 टूर्नामेंट में 91 रन की शानदार पारी खेलकर न सिर्फ टीम का नाम रोशन किया है, बल्कि गांधीनगर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट के सिलेक्शन मैच में जगह बनाकर दहेगाम का नाम भी रोशन किया है। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम की तरफ से युग पंडित को इस अभूतपूर्व खेल के मैदान में सफलता हासिल करने के लिए बधाई देता है। क्रिकेट कोच - दर्शन राजपूत लगातार युग पंडित को अलग-अलग तरीकों से ट्रेनिंग दे रहे हैं और उन्हें बैटिंग, फील्डिंग वगैरह में गाइड कर रहे हैं। पिता विकास पंडित दहेगाम में डेयरी का बिज़नेस चलाते हैं। वह अपने बेटे को क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए हर ज़रूरी मदद दे रहे हैं। उनका मानना है कि अगर हम कम उम्र में ही बच्चे में रिकल्स को पहचान लें और उसे उस फील्ड में आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करें जिसमें उसकी दिलचस्पी हो, तो बच्चा जल्दी आगे बढ़ सकता है।

# जयपुर में सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सफलतापूर्वक संपन्न



5 अक्टूबर 2025 रविवार के दिन जयपुर जिले के श्री सिद्धपीठ बैनाड़ा धाम (खेड़ी इकाई) बरसी में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आयोजित विशाल सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह श्रीजी महाराज के पावन आशीर्वाद से श्री श्री 1008 श्री रामदयाल दास जी महाराज जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को शुभारंभ किया गया। समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं, जिन्होंने सैकण्डरी/सीनियर सैकण्डरी,

स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षा-2025 में 85% या अधिक अंक प्राप्त व मेडिकल, आईआईटी, आईआईएम में प्रवेश प्राप्त किया तथा राजकीय सेवाओं में चयनित होकर समाज का नाम रोशन किया उन्हें विशेष रूप से सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया।

अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंदजी शर्माने बताया कि यह समारोह हमारी सांस्कृतिक धरोहर, एकता और उत्कृष्टता का प्रतीक रहा इन

युवा सितारों की उपलब्धियों समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कार्यक्रम में पधारे अतिथि गण जयपुर शहर सासंद बहन मंजू जी शर्मा, जमवारामगढ़ विधायक महोदय श्री महेन्द्र पाल जी मीणा, निवाई पीपलू विधायक महोदय श्री रामसहाय जी वर्मा, बरसी विधानसभा भाजपा प्रत्याशी पूर्व IAS श्री चन्द्रमोहन जी मीणा, एसटी मोर्चा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री नारायण जी मीणा एवं अन्य पधारे सभी सम्मानीय अतिथि गणों का हार्दिक आभार जताया।

इस ऐतिहासिक आयोजन में लगभग 1200 प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया और लगभग 20,000 समाज बंधुओं ने इस भव्य समारोह में भाग लेकर एकता व गौरव का परिचय दिया यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर, सामाजिक एकता और प्रतिभा के सम्मान का प्रतीक रहा। दी रोज पब्लिक स्कूल, बरसी के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया उनके द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक

कार्यक्रम ने सभी के दिलों को छु लिया और समारोह में चार चांद लगा दिए।

इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए महासभा के सभी पदाधिकारी गण, भामाशाह गण, पत्रकार गण, माता-बहनें, वरिष्ठ व युवा समाज बंधुओं और प्रशासन के अमूल्य सहयोग का हार्दिक आभार प्रकट किया गया। महासभा कार्यकर्ताओं एवं समाजबंधुओं के समर्पण, उत्साह और अनुशासन ने इस समारोह को एक ऐतिहासिक मुकाम तक पहुंचाया।

## राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा 2023 में समाज की कई प्रतिभाओं ने मारी बाजी

बरसी निवासी प्रियंका शर्मा का राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) परीक्षा 2023 में अंतिम रूप से चयन हो गया है। वे बाबूलाल कालवानिया की पुत्री हैं। इस उपलब्धि से उनके परिवार में हर्ष का माहौल है। RAS परीक्षा में चयन से पहले प्रियंका शर्मा ने अप्रैल 2023 में वीडियो (VDO) की परीक्षा भी उत्तीर्ण की थी और छह महीने तक इस पद पर कार्यरत रहीं। वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बांसखो (बरसी) में वाणिज्य संकाय की फर्स्ट ग्रेड लेक्चरर (व्याख्याता) के पद पर कार्यरत थीं।

प्रियंका शर्मा ने बताया कि साक्षात्कार के दौरान उनसे महिला सशक्तिकरण और वर्तमान सरकार की योजनाओं से संबंधित प्रश्न पूछे गए थे, जिनका उन्होंने कुशलतापूर्वक जवाब दिया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों को दिया, जिन्होंने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया और हौसला बढ़ाया। प्रियंका के पिता बाबूलाल कालवानिया



बरसी बाजार में कपड़े का व्यापार करते हैं। उन्होंने अपनी बेटी की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उसकी दिन-रात की पढ़ाई, मेहनत और लगन का ही परिणाम है।

इनके साथ साथ प्रशासनिक सेवा (RAS) परीक्षा 2023 चयनित होनेवाले अन्य युवा समाजबंधुओं के नाम भी सामने आए हैं जिस में सौरभ पंचोली गुवारडी

जमवारामगढ़ जयपुर, अनिल बड़गोती नींदड़ जयपुर, करिश्मा गिरिराजजी शर्मा निवासी गोल्या (लालसोट), रश्मी पंचोली, तालेडा (लालसोट), अभिनव शर्मा बरसी, गौरव शर्मा, मंडावर (दौसा) शामिल हैं। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम की तरफ से सफलता प्राप्त करनेवाले सभी युवा समाजबंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं।

## बगरू में युवा संघ द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह का हुआ भव्य आयोजन



विनोद कुडया, पत्रिका सहयोगी सदस्य, जयपुर: अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज धर्मशाला, अजमेर रोड, बड़ के बालाजी, बगरू में युवा संघ द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत श्री श्री 1008 श्री सिद्धपीठ बैनाड़ा धाम श्री रामदयाल जी महाराज ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर समाज के सभी गणमान्य जनों एवं युवा साथियों से स्नेहिल मुलाकात हुई जो हृदय को असीम आनंद से भर गई। यह आयोजन समाज के आपसी सहयोग, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का एक अद्भुत उदाहरण है। युवा संघ के इस प्रयास ने समाज को एकजुट करने और प्रेम के बंधन को और मजबूत

करने का सराहनीय कार्य किया है। भजन सम्राट बनवारी जी भीलपुरा के मधुर भजनों और भक्ति से भरपूर प्रस्तुति उनकी सुमधुर वाणी और भक्ति भाव ने हर किसी के हृदय को छु लिया। गीतांजली हॉस्पिटल जयपुर द्वारा 'निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, ब्लड शुगर (डायबिटीज़) जांच, ब्लड प्रेशर की जांच, जनरल फिजीशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ जैसी चिकित्सा सेवा शिविर पूरी तरह निःशुल्क रही। युवा संघ द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह कार्यक्रम में पधारे सभी सम्मानित अतिथियों और शुभचिंतकों का तहेदिल से आभार और धन्यवाद। बड़ी संख्या में पधारे समाजबंधुओं की उपस्थिति और उत्साह ने इस आयोजन को और भी यादगार बना दिया।

# महिला विशेष : महत्वकांक्षी होना 'अच्छा या बुरा'

महत्वकांक्षी होना या नहीं होना एक व्यक्तिगत स्वभाव है फिर चाहे लड़का हो या लड़की, किसी को महत्वकांक्षी होने के लिए बाध्य भी नहीं कर सकते हैं। अब लड़कियों के संदर्भ में बात करते हैं। वर्तमान परिवेश में लड़कियों का शिक्षित होना ज़रूरी है जिससे ज़रूरत पड़ने पर वो आत्मनिर्भर बन सकें। इनका माहत्वकांक्षी होना इनका खुद का व्यक्तिगत निर्णय है, इसमें कुछ ग़लत नहीं है अगर नहीं भी हों, सभी का जीवन एक जैसा नहीं होता है, इसलिए सभी की प्राथमिकता अलग अलग हो सकती हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त लड़कियां निश्चित रूप से हि अपने विषय के अनुसार अपना भविष्य चुनती हैं। हो सकता है पढ़ाई में रुचि होने के कारण कोई लड़की उच्च शिक्षा प्राप्त कर ले लेकिन कैरियर में उसकी कोई रुचि ना हो, इसमें कोई बुराई नहीं है। वैसे भी महत्वकांक्षी होने का पढ़ाई से कोई विशेष संबंध नहीं है, अगर सफल लोगों के विषय में अध्ययन करें तो। महत्वकांक्षी होने में कोई बुराई नहीं है मगर अतिमहत्वकांक्षी होना उचित नहीं है। महत्वकांक्षी होना अच्छी बात है, वो जीवन को दिशा देता है।

किसी भी लड़की का महत्वकांक्षी होना ग़लत नहीं है, बल्कि ये एक सकारात्मक गुण है जो उनको आगे बढ़ने में और सफलता प्राप्त करने में सहायता करता है। समाज में अक्सर महत्वकांक्षा को पुरुषों से जोड़ा जाता है, लेकिन महत्वकांक्षा हर किसी के लिए एक महत्वपूर्ण गुण होता है, यह जोखिम उठाने, नए करियर पथ तलाशने और

## नारीशक्ति



## अनुजा शर्मा

डायरेक्टर, ग्लोबल्स SSV  
- स्कूल, अहमदाबाद



अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि अति सर्वत्र वरजेयत यानी अति हर चीज़ की खराब होती है। जीवन में balance का होना ज़रूरी है आप पौधों में अधिक पानी डाल देंगे तो उसकी जड़ें गल जाएंगी और यदि कम पानी डालेंगे तो सूख जाएगी, इसलिए हर चीज़ सही मात्रा में होनी चाहिए। महत्वकांक्षी शब्द को महिलाओं के लिए नकारात्मक अर्थ वाला विशेषण माना जाता रहा है। अब हमारे पास कई महिला रोल मॉडल और नेता हैं जिनसे प्रेरणा ली जा सकती है और जिन्होंने अपने वादे पूरे किए हैं। उन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

हैं और समाज पर भी गहरा प्रभाव डाला है। हमें यह स्वीकार करना और सराहना करनी चाहिए कि एक महिला जो अपने करियर के प्रति जुनूनी है वह अपने निजी जीवन और रिश्तों के साथ उतना ही न्याय कर सकती है जितना कोई भी व्यक्ति कर सकता है।

महत्वकांक्षी महिला का मतलब स्वार्थी महिला नहीं है, महत्वकांक्षी महिला का मतलब आक्रामक महिला नहीं है, महत्वकांक्षी महिला का मतलब निश्चित रूप से असेवनदनशील महिला नहीं है। हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहाँ मिकसी जैसे आधुनिक यंत्र पल भर में ही खाद्य पदार्थों और मसालों को पीस देते हैं लेकिन सिलबट्टे जैसा स्वाद उत्पन्न नहीं कर सकते हैं। आज वाशिंग मशीन में जिस तरह से कपड़ों की धुलाई और सफ़ाई हो जाती है हाथों को आराम मिल जाता है लेकिन फिर भी हाथ से धुले कपड़ों का अलग ही निरालापन है। जो काम हम कर सकते हैं वही काम यंत्रों और सहायकों और सहयकिआए करने में सक्षम हैं। लेकिन जैसे हर चीज़ के फायदे और नुक़सान हैं। यह आप पर निर्भर करता है आप किस का चयन करते हैं। यह एक व्यक्तिगत निर्णय है।

महत्वकांक्षा महिलाओं को आत्मविश्वास देती है और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, महत्वकांक्षी महिलाएँ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं और अक्सर उच्च स्तरीय परियोजनाओं का नेतृत्व करती हैं, महत्वकांक्षा महिलाओं को व्यक्तिगत रूप से भी विकसित होने में मदद करती है।

## अंशिका दिनेशभाई शर्मा को हार्दिक बधाई



ANSHIKA SHARMA

Congratulations

अहमदाबाद के बोपल निवासी अंशिका दिनेशभाई शर्मा को Management Aptitude Test (MAT) परीक्षा में 83% परिणाम प्राप्त करने पर हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम आपको हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन देती है। आपकी मेहनत, संघर्ष और निरंतर प्रयास ने आपको यह ऊंचाई हासिल करने में सहायता की है। यह सचमुच गर्व की बात है कि आपने इस परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया है। हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम आपको हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन देती है। आगे भी सफलता की ओर बढ़ते रहें!

हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

अहमदाबाद के बोपल निवासी अंशिका दिनेशभाई शर्मा को Management Aptitude Test (MAT) परीक्षा में 83% परिणाम प्राप्त करने पर हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम आपको हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन देती है।

## रितेश शर्मा को वडनगर पंजाब नेशनल बैंक में सरकारी पद पर मिली नियुक्ति



RITESH SHARMA

Congratulations

समाज बंधु रितेश सीताराम शर्मा (बलेसरा-निवासी सेगडो की ढाणी, अनंतपुरा, चोमू, जयपुर) का आज (08-10-2025) को लिपिकीय संवर्ग (Clerical Cadre) में ग्राहक सेवा सहयोगी के पद के लिए पंजाब नेशनल बैंक, वडनगर (जि.महेसाणा) गुजरात शाखा में नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई। आपकी मेहनत, संघर्ष और निरंतर प्रयास ने आपको यह ऊंचाई हासिल करने में सहायता की है। हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम आपको सरकारी पद पर नियुक्ति पाने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन देती है। रितेश शर्मा डॉ.दौलतकुमार शर्मा(गांधीनगर) के रिश्तेदार लगते हैं।

हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.दौलतकुमार शर्मा, सदस्य, गुजरात पत्रिका टीम, गांधीनगर : समाज बंधु रितेश सीताराम शर्मा (बलेसरा-निवासी सेगडो की ढाणी, अनंतपुरा, चोमू, जयपुर) का दिनांक 08-10-2025 को लिपिकीय संवर्ग (Clerical Cadre) में ग्राहक सेवा सहयोगी के पद के लिए पंजाब नेशनल बैंक, वडनगर (जि.महेसाणा) गुजरात शाखा में नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई। आपकी मेहनत, संघर्ष और निरंतर प्रयास ने आपको यह ऊंचाई हासिल करने में सहायता की है। हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम आपको सरकारी पद पर नियुक्ति पाने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन देती है।

## आध्या व्रजनंदन पुरोहित ताइक्वांडो में पहली "पूम" प्रमोशन टेस्ट सफलतापूर्ण पास की

अहमदाबाद की आध्या व्रजनंदन पुरोहित ने ताइक्वांडो (मार्शल आर्ट) में Poom प्रमोशन परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। ताइक्वांडो (एक पारंपरिक कोरियाई मार्शल आर्ट) में पूम प्रमाणपत्र एक मध्यवर्ती स्तर का ब्लैक बेल्ट प्रमाणपत्र है जो उन अभ्यासकर्ताओं को दिया जाता है जो ब्लैक बेल्ट (आमतौर पर प्रथम डिग्री) की रैंक प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन उनकी आयु 15 वर्ष से कम होती है। इस परीक्षा में छात्र से



आत्मरक्षा कौशल, शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और ताइक्वांडो के तकनीकी ज्ञान का प्रदर्शन करने की उम्मीद

की जाती है। ताइक्वांडो में 1st पूम (Poom) का अर्थ 15 वर्ष से कम आयु के छात्र द्वारा हासिल किया गया ब्लैक बेल्ट है, जो

उसकी योग्यता को दर्शाता है लेकिन उसे अभी भी वयस्क प्रशिक्षुओं के समान स्तर का नहीं माना जाता है। हालांकि

यह एक उपलब्धि है, जो 15 साल की उम्र से पहले ब्लैक बेल्ट हासिल करने वाले छात्रों की क्षमता को प्रदर्शित करती है। इसे पास करने पर अब अगले स्तर पर पहुंचने और ताइक्वांडो में अपने करियर को आगे बढ़ाने का अवसर देता है। पूम एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त "काला फीता" रैंक है, जो 15 वर्ष से कम उम्र के ताइक्वांडो अभ्यर्थियों को दिया जाता है, जब वे डैन (डैन) स्तर के परीक्षण पास करते हैं।

## राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप में आरती शर्मा को मिला गोल्ड मेडल



उदयपुर में आयोजित सातवीं राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप में आरती शर्मा (सिंगवाडिया-तिहाड़ा) को प्रथम विनर घोषित करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ। आरती शर्मा को गुजरात पत्रिका टीम की तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। गौरतलब है कि उदयपुर डिस्ट्रिक्ट कराटे एसोसिएशन द्वारा चित्रकूट नगर स्थित मदारिया भवन में दो दिवसीय सातवीं राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप-2025-26 का आगाज हुआ। चैंपियनशिप में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 250 से अधिक खिलाड़ीयों ने विभिन्न श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में 700 से अधिक इवेंट शामिल किए गए थे, जिनका संचालन 15 से अधिक तकनीकी एक्सपर्ट द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता दीपक सुखाड़िया, पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रसन्न कुमार खमेसरा, तकनीकी निदेशक लाल दरड़ा, डॉ. अजय शर्मा, उदयपुर डिस्ट्रिक्ट कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल शर्मा, आईओसी अध्यक्ष विनोद साहू और एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार सुखवाल ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता की शुरुआत की।

## नायला की पिकी शर्मा ने बढ़ाया समाज का गौरव



समाज की गौरव पिकी शर्मा (रामजीपुरा, नायला) का भारतीय ब्रैपलिंग संघ द्वारा सर्बिया के नोवी साद में होने वाली सीनियर वर्ल्ड ब्रैपलिंग चैंपियनशिप 58 किलोग्राम भार वर्ग (जीपी/जीपी जीआई) में चयनित होने पर हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम की तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह उपलब्धि न केवल पिकी की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के लिए एक प्रेरणा है। ब्रैपलिंग जैसे कठिन खेल में विश्व स्तर पर अपना नाम रोशन करने वाली हमारी बेटी ने साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प से कुछ भी असंभव नहीं। बेटी पिकी को उनकी इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई और आगामी चैंपियनशिप में पदक जीतने की अग्रिम शुभकामनाएं।

## आद्यशक्ति के पर्व नवरात्री में भोजन प्रसादी का हुआ आयोजन



दिनांक 28 सितम्बर 2025 रविवार के दिन हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाजबंधु एवं सरखेज गृप द्वारा ओम आदेश आश्रम, सनाथल, अहमदाबाद में नवरात्री भोजन प्रसादी का सफल आयोजन किया गया था। समाजबंधुओं में सरखेज गृप के हनुमान खेडा, चंद्रकांत शर्मा, कैलाश बोहरा, द्वारकाप्रसाद, छोटेलाल, प्रभुजी, महेशजी, बंटीजी समेत समाजबंधुओं ने मिलकर किया गया आयोजन।

## सिद्धपुर की महिलाओं द्वारा श्री राम भजन कार्यक्रम का आयोजन



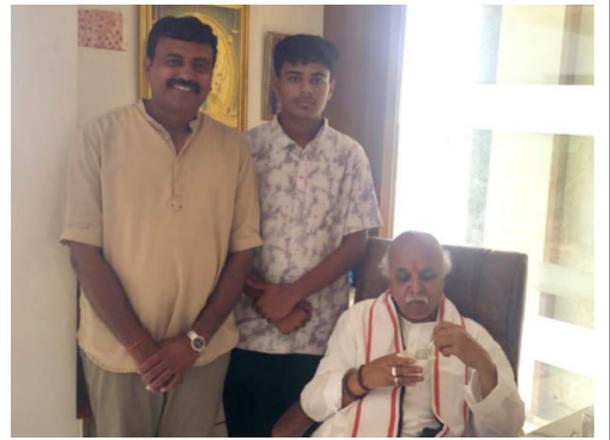
हितेश शर्मा, सदस्य, गुजरात पत्रिका टीम, सिद्धपुर : सोमवार, 29 सितंबर, 2025 को सिद्धपुर स्थित रामजी मंदिर में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज की महिलाओं द्वारा राम भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें तीन घंटे तक समाज की महिलाओं ने विभिन्न भजन गाकर भगवान श्री राम को प्रसन्न करने का प्रयास किया। इस भजन कार्यक्रम में उपस्थित समाज की महिलाओं में रामप्यारी शर्मा, ज्योतिकाबेन शर्मा, आशाबेन शर्मा, सोनलबेन शर्मा, कुसुमबेन शर्मा, पिकीबेन शर्मा, सुशीलाबेन शर्मा, श्वेताबेन शर्मा, पूजाबेन शर्मा, भारतीबेन शर्मा शामिल थीं।

## इन्दौर : गरबा महोत्सव में गुजराती गरबा पर थिरके युवा एवं महिलाएं



राकेश शर्मा, सदस्य, गुजरात पत्रिका टीम : 5 अक्टूबर 2025 रविवार को श्री हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज - इंदौर आयोजित गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। हंसदास मठ पीलिया खाल, बडा गणपति, इंदौर में समाज की प्रबंध कार्यकारिणी, महिला मंडल एवं युवा संगठन ने मिलकर गरबा महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न करवाया। इंदौर शहर के हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज की बड़ी संख्या में महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर गरबा में भाग लिया। तीन घंटे तक चले इस गरबा महोत्सव में युवाओं ने विभिन्न गुजराती गरबा नृत्यों का आनंद लिया।

## चंद्रेशभाई शर्मा ने प्रवीण तोगड़िया से मुलाकात की



अक्टूबर 2025 के दूसरे सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर, तलोद और खेड़ब्रह्मा तालुका का दौरा किया। उन्होंने आगिया गाँव में दोपहर का भोजन किया और शाम को विहिप कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस बीच, प्रवीण तोगड़िया ने अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के साबरकांठा-अरवल्ली जिला संगठन के अध्यक्ष चंद्रेशभाई शर्मा (चोरीवाड़) के आवास और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का दौरा किया। चंद्रेशभाई शर्मा ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान प्रवीण तोगड़िया ने अपनी यात्रा और हिंदू जागरण पर चर्चा की। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस वाहन सायरन बजाते हुए मौजूद थे और उन्हें देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

## स्कूल नेशनल बॉक्सिंग में सुनील शर्मा ने जीते सिल्वर मेडल



ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में आयोजित 69वीं स्कूल नेशनल बॉक्सिंग (अंडर-17) में राजस्थान के लिए सुनील बनवारी जी शर्मा (गोल्यावास-जयपुर) ने सिल्वर मेडल जीते। यह प्रतियोगिता 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित हुई। कोच काजल साहू ने यह जानकारी दी। 80 से ज्यादा किलो वर्ग में उन्होंने सिल्वर मेडल जीते। सुनील कुमार शर्मा ने अपने परिवार, गांव व समाज का नाम रोशन किया है। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण गुजरात पत्रिका टीम सुनील को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन देती है।

# नूतन वर्ष पर हर घर हुई गोवर्धन पूजा



अशोककुमार शर्मा एंड  
परिवार - मोगर, आणंद



प्रेम शर्मा  
अलवर-राजस्थान



पंडित भगवानदास मिश्रीलाल एवं  
पंडित प्रेमचंद मिश्रीलाल परिवार -  
हारीज-पाटण



तुलसी अशोककुमार शर्मा  
मोगर, आणंद



खुशी संजयकुमार शर्मा  
वडोदरा



लाबचंद रामप्रसाद शर्मा  
खंभोलज, आणंद



कांतिभाई शर्मा  
(पेशापुर - गांधीनगर)



मनोजकुमार पन्नालाल शर्मा  
(भिलोड़ा-अरावली)



भरतभाई शर्मा  
(सिद्धपुर - पाटण)



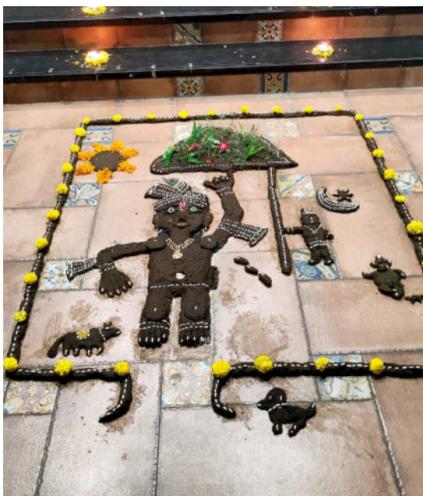
श्री राम मंदिर, मुरसान हाथरस  
(स्व.सोहनलालजी मावावाला  
परिवार एवं गयाप्रसाद बलेसरा-  
दिल्ली परिवार)



मीना शर्मा (मदनगंज किशनगढ़)



श्यामसुंदर पंडित (डभाड़ खेरालू)



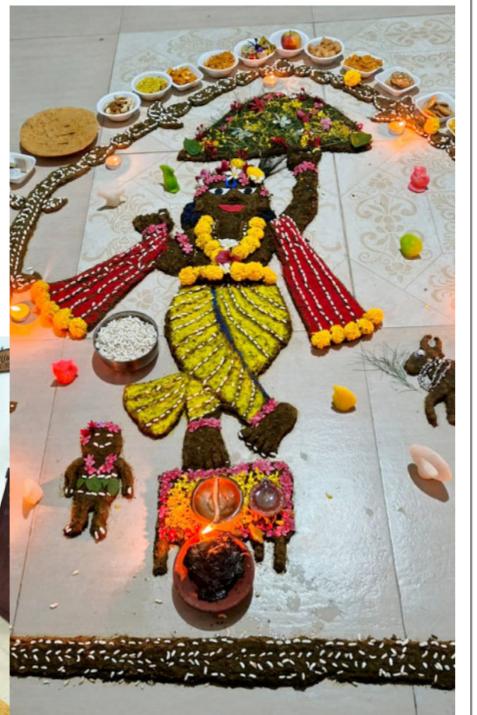
धीरज सुनिलकुमार शर्मा  
वडोदरा



हितेशकुमार भगवतीप्रसाद शर्मा  
(निवासी - सिद्धपुर)



जयराजू श्यामलाल शर्मा  
(डिगवाले) - वडोदरा



हिमांशु घनश्यामप्रसाद शर्मा एवं केवल घनश्यामप्रसाद शर्मा  
(ABP Asmita News) - ओढव, अहमदाबाद







समाज के मेधावी एवं अध्ययनरत युवक-युवती निर्देशिका

**Pratik Subhashkumar Sharma**

गांव-जिला : कुडास, गोंडवाना (पुल निवासी - चोरीवाड, ईदर, जिला साबरकांडा)

गौर : कुडास (कुडास)/कलस

उम्र : 21 वर्ष

वर्तमान में अभ्यास या डीग्री  
B-Tech (cyber security)

"3rd year pursuing"

संस्थान : ईएस यूनिवर्सिटी अहमदाबाद

आप किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहते हैं?

M.Tech (सायबर सुरक्षा क्षेत्र)

क्या आप जीव करते हैं? : नहीं

अभिवादन है? : हा

संपर्कनं: 9426485586

संकलन

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम



समाज के मेधावी एवं अध्ययनरत युवक-युवती निर्देशिका

**Sahil Lakshminarayan Sharma**

गांव-जिला : हिंगलज, साबरकांडा

गौर : गंगार

उम्र : 25 वर्ष

वर्तमान में अभ्यास या डीग्री  
ITI

संस्थान : सावर इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी

आप किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहते हैं?

व्यापार क्षेत्र

क्या आप जीव करते हैं? : नहीं

अभिलेखित है? : हा

संपर्कनं: 9879446590 / 9313085082

संकलन

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम



समाज के मेधावी एवं अध्ययनरत युवक-युवती निर्देशिका

**Dixitkumar Naranbhai Sharma**

गांव और जिला : पाण

गौर : कुंभार/भोवलास

उम्र : 24 वर्ष

वर्तमान में अभ्यास या डीग्री  
M.COM.LL.B (Pursuing)

संस्थान : इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय उच्च शिक्षण संस्थान, पाण

आप किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहते हैं?

सरकारी क्षेत्र

क्या आप जीव करते हैं? : हा

अभिवादन है? : हा

संपर्कनं: 9979003852

संकलन

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम



समाज के मेधावी एवं अध्ययनरत युवक-युवती निर्देशिका

**Pankajkumar Naranbhai Sharma**

गांव और जिला : पाण

गौर : कुंभार/भोवलास

उम्र : 21 वर्ष

वर्तमान में अभ्यास या डीग्री  
B.COM, MJMC (Pursuing)

संस्थान : इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय उच्च शिक्षण संस्थान, पाण

आप किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहते हैं?

सरकारी क्षेत्र

क्या आप जीव करते हैं? : नहीं

अभिवादन है? : हा

संपर्कनं: 9979003852

संकलन

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम



समाज के मेधावी एवं अध्ययनरत युवक-युवती निर्देशिका

**Kamlesh Nareshbhai Pandit**

गांव-जिला : गांव-गौर, हदसील-नरोद जिला साबरकांडा

गौर : गौर

उम्र : 27 वर्ष

वर्तमान में अभ्यास या डीग्री  
B.Sc. (Completed)

संस्थान : एस.एच. पंचाल साहस कॉलेज, नरोद

आप किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहते हैं?

वित्तिय एवं कन्सल्टिंग क्षेत्र

क्या आप जीव करते हैं? : हा

अभिवादन है? : हा

संपर्कनं: 9427366117, 832 042 4208

संकलन

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम



समाज के मेधावी एवं अध्ययनरत युवक-युवती निर्देशिका

**Dr. Nikesh Rajeshkumar Sharma**

गांव-जिला : दोभाडा, साबरकांडा

गौर : मेघल

उम्र : 26 वर्ष

वर्तमान में अभ्यास या डीग्री  
B.H.M.S.

संस्थान : न्यू एडवेंचर्स यूनिवर्सिटी

आप किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहते हैं?

मैडिकल क्षेत्र

क्या आप जीव करते हैं? : नहीं

अभिवादन है? : हा

संपर्कनं: 9687025445

संकलन

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम



समाज के मेधावी एवं अध्ययनरत युवक-युवती निर्देशिका

**Harshvardhan Mahesh Sharma**

गांव-जिला : चापे शहर, जिला वलसाड

गौर : वलसाड

उम्र : 23 वर्ष

वर्तमान में अभ्यास या डीग्री  
12<sup>th</sup> Pass

संस्थान : N/A

आप किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहते हैं?

विज्ञान क्षेत्र

क्या आप जीव करते हैं? : नहीं

अभिवादन है? : हा

संपर्कनं: 9974750813/9662192800

संकलन

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम



समाज के मेधावी एवं अध्ययनरत युवक-युवती निर्देशिका

**Pooja Rajeshkumar Sharma**

गांव-जिला : दोभाडा, साबरकांडा

गौर : मेघल

उम्र : 25 वर्ष

वर्तमान में अभ्यास या डीग्री  
B.A. (Completed)

संस्थान : एम्प्लॉयर्स यूनिवर्सिटी

आप किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहते हैं?

शिक्षा एवं सरकारी क्षेत्र

क्या आप जीव करते हैं? : नहीं

अभिवादन है? : हा

संपर्कनं: 9687025445

संकलन

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम



# टेकचंदपुरा गांव में डेढ़ साल बाद जाल माता मंदिर बनेगा

हरियाणा के गौड़ ब्राह्मण समुदाय में बोटोल्या और कुंजगड्या गोत्र की कुल देवी की जगह को लेकर काफी कन्फ्यूजन था। इसलिए गुजरात पत्रिका टीम ने राजस्थान समाज के कई सदस्यों से बात की और जानकारी लेने की कोशिश की। जानकारी के मुताबिक, बोटोल्या की कुल देवी जाल माता हैं लेकिन जहां तक हमें उनकी जगह के बारे में पता है, फिलहाल कोई वेरिफाइड जगह नहीं है। ऐसी जानकारी है कि बोटोल्या गोत्र के समुदाय के लोग टिटोली गांव से चले गए हैं। यह गांव बरसी से थोड़ी दूरी पर मौजूद श्री नाई नाथ महादेव मंदिर के पास है, लेकिन इस गांव में या आस-पास कहीं भी जाल माता का मंदिर नहीं है। यहां तक कि यहां के बोटोल्या परिवार को भी सिर्फ बीकानेर के बड़ाबांस में मौजूद जाल माता मंदिर (ब्राह्मणी माता मंदिर) के बारे में ही पता है। जहां कोई दर्शन करने नहीं जाता।

टेकचंदपुरा गांव बरसी से 14



किलोमीटर दूर है। इसे बोटोल्या गोत्र के लोगों का गांव माना जाता है। यहां बोटोल्या और कुंजगड्या गोत्र के 80 से ज्यादा परिवार रहते हैं। हालांकि उन्हें जाल माता की पूजा करने की जगह के बारे में नहीं पता। लेकिन वे जानते हैं कि जाल माता कुल देवी हैं। गांव के आस-पास कहीं भी जाल माता की जगह के बारे में कोई जगह नहीं है। पास में ही तिलपट्टी नाम का एक और गांव भी है जहां बोटोल्या गोत्र के परिवार रहते हैं। यहां ध्यान देने वाली बात है कि यहां पर कुल देवी में किसी की खास दिलचस्पी

नहीं थी।

लेकिन खुशी की बात है कि जाल माता के बारे में लगातार जिज्ञासा से हमारी कोशिशों को बढ़ावा मिला। आखिर में गुजरात पत्रिका टीम ने टेकचंदपुरा गांव के श्री हनुमान बोटोल्या (कस्ट्रक्शन बिजनेस) से संपर्क किया। जाल माता के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन हम यहां गांव में जाल माता मंदिर के लिए एक जगह बनाने जा रहे हैं.. यह हनुमान बोटोल्या का कहना है.. हमारी बातचीत के दौरान, हनुमान बोटोल्या ने कहा

कि हम कुल देवी को ढूंढते-ढूंढते थक गए हैं.. लेकिन हमें उनकी जगह नहीं मिल रही है। तो कुछ महीने पहले, हम, बोटोल्या परिवार वालों और समाज के लोगों ने, गांव में एक जगह पर जाल माता की स्थापना करने का फैसला किया। हमने जगह तय कर ली है। इस जगह पर एक पेड़ लगाया गया है। जिसे "जाल का वृक्ष" के नाम से जाना जाता है। इसे डेवलप करने के बाद, एक साल बाद जाल माता का मंदिर बनाया जाएगा। गांव में रहने वाले सभी बोटोल्या परिवारों ने खुशी-खुशी इस फैसले का स्वागत किया और जाल माता मंदिर के लिए जगह डेवलप करने का फैसला किया। ताकि बोटोल्या परिवार अब जयपुर से 40 किलोमीटर और बरसी से 14 किलोमीटर की दूरी पर अपनी कुल देवी जाल माता के दर्शन कर सकें। ज्यादा जानकारी के लिए आप 9783746761 (हनुमान बोटोल्या-टेकचंदपुरा) का संपर्क कर सकते हैं।

## पेज 12 का शेष संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन

दूसरे पक्षों के विरोध में कोई वाद न हो, कोई उच्चारण ना हो। "जो बीत गई सो बात गई"

**04** महासभा से जुड़े गुजरात में बसे समाजजन और गुजरात सेवा संगठन से जुड़े समाजजन दोनों को एकजुट होकर अपने अपने परिवार में शादी ब्याह लायक अवीवाहीत युवक - युवतियों का परिचय सम्मेलन, समाजजनों का मेल मीलाप कार्यक्रम कर सकते हैं। इसी प्रकार के छोटे छोटे कार्यक्रमों से दोनों संगठनों में नजदीकीया बढ़ेंगी। यह नजदीकीया जब रीशतेदारी में बदलेगी तभी एक समाज मजबूत होकर उभरेगा।

**05** दो पहीये के वाहन के दोनों पहीये जब एक साथ एक ही लय ताल में आगे की और बढ़ेंगे तब ही वाहन आगे बढ़ गति कर पाता है। लेकिन जब आगे का पहीया आगे की तरफ और पीछे का पहीया पीछे की और गति करेगा, तो वाहन ना आगे जा पाएगा और ना पीछे जा पाएगा। गुजरात समाज के दोनों संगठन भी समाज वाहन के दो पहीये के समान हैं, इन दो पहीयों को भी एक ही लय ताल में आगे की और गति करनी होगी, अन्यथा यह वाहन आगे नहीं बढ़ पाएगा। महासभा के समर्थक, महासभा से जुड़े रहे उसमें किसी को एतराज नहीं होना चाहिए, लेकिन वे गुजरात सेवा संगठन से भी जुड़े रहे यह इच्छनीय है।

**06** बरसो से दोनों संगठन गुजरात में धर्मशाला निर्माण के प्रयास में लगे हुए हैं, लेकिन दोनों असफल रहे, दोनों

संगठनों का (दोनों पहीयों का) एक दूसरे से विपरीत दिशा में गति करना इस असफलता का प्रमुख कारण मानता हूं।

**07** गुजरात के दोनों संगठनों को 5-12-1949 के नियम-5 की जानकारी गंभीरता से रखनी होगी। इस नियम के तहत स्थानिय सभा की आय का 50% हिस्सा महासभा को देना होगा यह लिखा है। उसके बाद संशोधित विधान वर्ष 2011 के नियम 6(अ) में भी "सदस्यता शुल्क का बटवारा" के तहत (1) राष्ट्रीय महासभा 50%-(2) प्रदेश 10% (3) जिला 10% (4) तहसील 10% और (5) इकाई को 20%, इस तरह से सदस्यता शुल्क के बटवारे का प्रावधान किया गया है। क्या गुजरात के दोनों संगठनों ने अब तक इस नियम को माना है? अगर नहीं माना तो उसका कारण क्या है? इस पर दोनों संगठनों को गंभीरता से विचार विमर्श करना होगा।

**08** गुजरात के दोनों संगठनों को 5-12-1949- 17-02-1951 - संशोधन वर्ष 2011 और संशोधन वर्ष 2023 के संविधानों के नियम व उपनियमों को बारीकी से पढ़ना चाहिए। उन सभी संविधानों के नियम उपनियमों में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि महासभा सभी संगठनों, सभाओं से उनकी आय का 50% हिस्सा वसूल करके उस धन से केवल राजस्थान में ही विकास कार्य करेगी। फिर क्या कारण है कि महासभा ज्यादातर केवल राजस्थान में ही विकास कार्य कर रही है? क्या गुजरात के समाज संगठन से उसे कोई परहेज है?? कोई बैर है?? गुजरात महासभा के समर्थकों को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार विमर्श करना होगा। महासभा ने नियम व उपनियमों में जो

फेरबदल किए हैं, उस फेरबदल को कानूनी मान्यता दिलाई है? गुजरात महासभा के कितने पदाधिकारी-सदस्यों-समर्थकों को 5-12-1949- 17-02-1951 - संशोधन वर्ष 2011 और संशोधन वर्ष 2023 के संविधानों के नियम व उपनियमों की जानकारी है?

**09** महासभा में नाम विवाद को लेकर अखबारों में चर्चा बनी थी अब तो छप चुकी है, महासभा के इस विवाद का "आखरी फैसला" ही तय करेगा की कौन असली महासभा है। इन परिस्थितियों में महासभा ही जब अपने नाम-अपने पद के लिए संघर्ष कर रही है तो गुजरात समाज को वह अपना कोई योगदान दे पाएगी ?? और दे पाएगी तो कब तक? यह सोचने का विषय है।

महासभा हमारी मातृसंस्था है यह स्वीकार्य बात है, किन्तु हम किस महासभा के सदस्य हैं? महासभा का कौन सा संविधान सच्चा और मान्य है???? वर्तमान महासभा जो अपने नाम के लिए संघर्षरत है वह या वो महासभा जो अखबारों में चर्चा बनी जा रही है वह? किस महासभा के सदस्य हैं? यह गुजरात के दोनों संगठनों को सोचना होगा।

**10** गुजरात समाज के दोनों संगठनों ने सोशल मीडिया का समाज की एकता के लिए उपयोग नहीं किया। गुजरात सेवा संगठन के विभिन्न ग्रुपों में समय समय पर महासभा के विरुद्ध टीप्पणी देखने को मिलती है यह चिंता का विषय है। (गुजरात सेवा संगठन के नेतृत्व परिवर्तन के तत्कालीन समय में मुझसे भी आवेशवश-भावनाओं में बहकर महासभा के विरुद्ध टीप्पणी हुई हो तो क्षमाप्रार्थी हूँ।) सोशल मीडिया में समाज संबंधित वाद विवाद पर नियंत्रण

जरूरी है।

**11** गुजरात समाज के दोनों संगठन अविवाहीत युवक -युवतियों की बढ़ती हुई आयु के साथ साथ उनके लिए बेहतर रिश्तेदारी खोजने में चिंताग्रस्त हैं, इस विषय पर दोनों संगठनों को मिलकर विचार विमर्श करना चाहिए।

**12** गुजरात के दोनों संगठनों को मिलकर समाज के छात्र छात्राओं के लिए शैक्षणिक प्रोत्साहन, केरीयर गाइड -जॉब-व्यवसाय गाइडेन्स संबंधित आयोजन कर सकते थे, लेकिन यह क्यों नहीं हो पाया? यह विचारशील मुद्दा है। केवल क्रिकेट खेलना, गरबा आयोजन करने मात्र से सामाजिक एकता आकार लेगी?? जिस तरह योग्य वर या योग्य वधू ना मिलने की परीस्थिती में दूसरे समाजों में ब्याह के प्रकार बढ़ रहे हैं, कहीं हमारे समाज में भी यह दुष्ण ना लगे उसके लिए भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। जिस तरह दूसरे समाजों में तलाक(छूटाछेड़ा) का प्रमाण बढ़ रहा है, यह दुष्ण हमारे समाज में ना हो उसके लिए भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। बहुत से मुद्दे हैं जिन पर गंभीरता से दोनों संगठनों को मिलकर साथ बैठकर गहन विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है। दोनों संगठन के परिवार बरसो पहले राजस्थान से ही निकाल दिए गए हैं, दोनों संगठनों की कुलदेवीया भी ज्यादातर तो राजस्थान में ही हैं। इस तथ्य को स्वीकारना होगा।

अंत में केवल इतना ही कहना चाहूंगा कि समय की चाल को समझते हुए दोनों संगठन एक हो यह जरूरी है।

आपका  
(हरीश बापलावत-विजापुर)



**हरीश  
बापलावत  
वीजापुर**

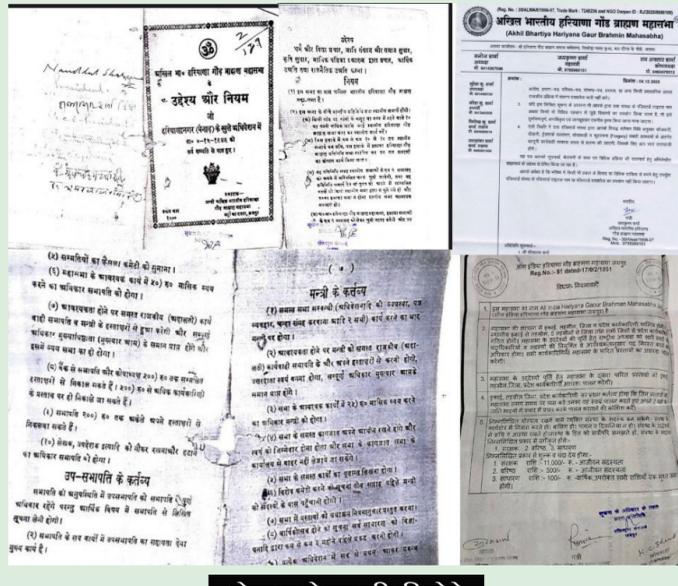
प्रत्येक समाज का एक संविधान होता है। समाज का संविधान से आशय उन मूल नियमों, मूल्यों और सिद्धांतों से है जिनके आधार पर समाज का संचालन होता है। जैसे देश का संविधान शासन को दिशा देता है, वैसे ही समाज का संविधान सामाजिक जीवन को संतुलन, न्याय और व्यवस्था प्रदान करता है। समाज का संविधान लिखित न होकर भी प्रभावशाली होता है। यह लोगों के व्यवहार, सोच और संबंधों को आकार देता है और एक स्वस्थ, न्यायपूर्ण तथा समरस समाज के निर्माण में सहायक होता है। समाज का संविधान समाज को मजबूत, संगठित और न्यायपूर्ण बनाता है। इसके बिना समाज में अराजकता फैल सकती है।

**समाज का संविधान से होने वाले लाभ**

- **व्यवस्था बनी रहती है** - समाज में अनुशासन और संतुलन बना रहता है।
- **समानता को बढ़ावा** - भेदभाव कम होता है और सभी को समान सम्मान मिलता है।
- **न्याय की भावना** - सही और गलत की पहचान होती है, जिससे अन्याय घटता है।
- **आपसी सहयोग बढ़ता है** - लोग एक-दूसरे के अधिकार और कर्तव्य समझते हैं।
- **संस्कृति और परंपरा की रक्षा** - समाज की पहचान बनी रहती है।
- **संघर्ष कम होते हैं** - नियम होने से विवाद सुलझाना आसान होता है।
- **व्यक्तित्व विकास** - व्यक्ति जिम्मेदार, नैतिक और सामाजिक बनता है।

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज में संविधान को लेकर गुजरात के समाजबंधुओ ज्यादा जानकारी नहीं दिख रहे एवं संविधान पर अस्पष्ट स्थिति बरकरार है। अभी राजस्थान में चर्चा का मुख्य विषय दो महासभाओं का दो संगठनों के नाम पर रजिस्ट्रेशन, उनके अपने नियम और संविधान, साथ ही टाइटल विवाद है। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के टाइटल को लेकर कुछ असमंजस की स्थिति एवं समाजबंधुओ में चर्चा शुरू हो गई थी। क्या वाकई में राजस्थान में भी अब दो संगठन काम करेंगे? इस मामले में सरकारी कानून क्या प्रावधान होता है यह जानकारी के लिए विजापुर के हरिशजी बापलावत(ना.तहसीलदार)ने हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम से खास बातचीत एवं पंजीकरण नियमों से कानूनी

# संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन : समाज संविधान की क्या भूमिका है?



(वीड्यूप से प्राप्त प्रति की फोटो)

प्रावधानो का चर्चा की। हरिशजी बापलावतने बातचीत में बताया कि परम पूजनीय हारीत ऋषि की हम संताने हैं यह वंश परंपरा से सुनते आए हैं, अपने समाज के संविधानों की खोज करने पर वोटसेप से प्राप्त कॉपी (प्रत-नकल) का अभ्यास करने पर पता चला की

- (1) हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के तत्कालीन रचयिताओ द्वारा दिनांक 5-12-1949 के दिन “अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा “ के उद्देश्य और नियम हरियाणा(बेनाडा) के खुले अधीवेशन मे सर्व सम्मति से पास कीए गए।
- (2) 17-02-1951 की दिनांक वाला एक और संविधान है जिसमे भी “अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा “ नाम लिखा है।
- (3) 17-02-1951 की दिनांक वाला एक और संविधान है जिसमे “ऑल इंडीया हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा “ के नाम से है जिसमे दिनांक 10-03-2023 से जो संशोधन पेश किए गए थे, जिसके पॉइंट नंबर 1 से इस महासभा का नाम “ऑल इंडीया हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा “ होने का प्रावधान लिखा है।
- (4) अखिल भारतीय के नाम से जो संविधान है जिसमे दिनांक 9 और 10 अप्रैल 2011 को जयपुर के बेनाडा धाम बरसी मे इस नाम के संवीधान मे संशोधन किया गया।

यह सारे के सारे “समाज संविधान” के नाम से जाने जाते रहे हैं। राजस्थान प्रदेश के अपने समाज के विभिन्न गुपो में इस बात से संबंधित दस्तावेजो की जेरोक्ष कॉपी भी प्रसारीत हुई थी। “लेकीन सरकारी शासन

व्यवस्था में सरकारी कचहरी में समाज के रचनाकारो के द्वारा किस नाम से संस्था का रजिस्ट्रेशन (पंजिकरण) किया गया ?? हीन्दी नाम से या इंग्लीश नाम से रजीस्ट्रेशन हुआ ?? यह संशोधन का विषय है, क्योंकि जो भी कॉपी प्राप्त हुई है, सब में RTI से प्राप्त नकल की मुहर लगी है और प्रमाणित नकल की मुहर भी लगी हुई है। और हिन्दी और इंग्लिश नाम के बीच का विवाद ही मुख्य कारण है।

दिनांक 5-12-1949 से वर्ष 2000 तक स्थिति सामान्य रही, भारत के वे राज्य जहां अपने समाज के ज्यादातर समाजजन बसते हैं उन सभी राज्यों में “अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा “ के संचालको को “महासभा” के संचालक के तौर पर सभी आम समाजजन जानते थे और उनके द्वारा लिए गए निर्णयो को सर्व सम्मति से स्वीकार भी कर लिया करते थे। और “महासभा” के पदाधिकारी भारत के विभिन्न राज्यों में जाकर समाज संचालन संबंधित कार्य किया करते थे, जिसमे समाज के लिए “अंशदान” इकठ्ठा करना और उस अंशदान से धर्मशाला निर्माण, स्कूल - कॉलेज इत्यादी का निर्माण कार्य किया करते थे।

लेकीन समय का चक्र, ग्रहो की चाल के साथ बदलता गया और वह समय भी देखने को मिला की समाज संचालन को लेकर सर्व सम्मति के बदले चुनाव प्रक्रिया को स्वीकारा गया और इस प्रक्रिया से चुने गए पदाधिकारीयों के द्वारा चलाये शासन प्रणाली-प्रक्रिया-तरीके के सामने विरोध का सुर उठने लगा और यही से समाज संविधान के नाम का विवाद भी शुरू हुआ।

इन सभी विवादो के बीच गुजरात मे भी “महासभा”

संचालको का पक्ष और विपक्ष देखने को मिला और महासभा पक्ष और विपक्ष के बीच का अंतर बढ़ते बढ़ते “अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन” की अलग से रचना तक पहुँच गया। गुजरात मे भी इस नए संगठन के कुछ वर्षो तक के “शासन स्थान” के बाद “नए शासन स्थान फेरबदल” यानी वर्तमान स्थान का सफर भी विवादास्पद रहा। और वह समय भी आया जब वर्तमान महासभा के संचालको ने अपने ही द्वारा संशोधित विधान वर्ष 2011 से पारीत किए समाज संवीधान बिन्दु (11) “ प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का प्रावधान “ के तहत “ प्रदेश अध्यक्ष उस प्रदेश की सदस्यता के आधार पर होगा -प्रदेशाध्यक्ष कार्यकारीणी का गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्षों के समन्वय से करेंगे “ इस नियम का उपयोग करके एक पक्ष को बिलकुल सुने बिना ही गुजरात महासभा का अध्यक्ष नियुक्त किया। और निर्णय करने के इस विवादास्पद तरीके से बरसो से ठंडे बस्ते में पड़े हुए “गुजरात सेवा संगठन” की पुनः जागृति और उसके नेतृत्व फेरबदल का निर्णय लिया गया।

(सदस्यता के आधार पर ही प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने का नियम बनाया था) यहाँ एक गंभीर सवाल खड़ा होता है की महासभा ने गुजरात मे सार्वजनिक और पारदर्शिता तरीके से सदस्यता अभियान कब चलाया ??? और यदि सदस्यता अभियान चलाया भी था तो गुजरात के “सभी परीवारों मे” आज तक उसकी जानकारी वर्यून नहीं है ???

अब गुजरात में समाज के दो संगठन कार्यरत हैं , एक “महासभा संगठन” और दूसरा “गुजरात सेवा संगठन”। दो पहिये के वाहन में जब दोनों पहीये ठीक से काम करे तो उस वाहन को ड्राइवर ठीक से चला सकता है।

लेकीन गुजरात के अपने समाज के इस दो पहीये के वाहन का आगे का पहीया आगे की तरफ गती कर रहा है और पीछे का पहीया पीछे की तरफ गती कर रहा है जिस वजह से गुजरात समाज के दोनों संगठन अपनी जगह पर ही स्थिर हैं और दोनों संगठन की ऊर्जा नष्ट हो रही है। गुजरात मे दोनों संगठनो के अब तक के कार्यक्रमों मे -एक दूसरे संगठन के समाजजनो का उपस्थीत ना रहना ,इन दोनों संगठनो के बीच की दूरी बढ़ा रहा है। यानी दोनों पहीयो का विपरीत दिशा मे गती करने समान है।

गुजरात में समाज के वे

परीवार जिनमे वर्ष 1950 से वर्ष 2000 तक राजस्थान से कन्या ब्याह कर गुजरात के परीवारो में लायी गई या गुजरात से कन्या ब्याह कर राजस्थान के परीवारों मे ले जायी गई। इस प्रक्रिया का ठहराव या इस प्रक्रिया में कमी आना भी दोनों संगठनो मे दुरी का एक कारण हो सकता है। इस प्रक्रिया में ठहराव वर्यून आया यह सभी को साथ बैठकर चिंतन करने का विषय है।

**क्या करें कि दोनों संगठनो के बीच की दूरी खत्म हो?**

**01** महासभा गुजरात संगठन के पदाधिकारीयों-समर्थको को “राजस्थान में चल रहे विवाद “पर गंभीरता से विचार विमर्श करके सावधानी पूर्वक निर्णय करने की आवश्यकता है। महासभा से जुड़ाव के साथ साथ गुजरात सेवा संगठन मे भी अपनी रुचि बढ़ानी चाहिए। महासभा संविधान 5-12-1949 के नियम 2 (क) के तहत स्थानीय सभा संगठन की रचना करने का नियम बनाया हुआ है। अतः महासभा के गुजरात के पदाधिकारीयों को गुजरात सेवा संगठन का अस्तित्व स्वीकारना होगा।

**02** महासभा के गुजरात संगठन के पदाधिकारीयों-समर्थको को गंभीरतापूर्वक यह विचार करना होगा की 1950 से अब तक महासभा ने गुजरात के समाजजानो के लिए क्या क्या विकास कार्य किए ??? अगर नहीं किए तो क्या कारण है की महासभा गुजरात में कोई कार्य अब तक वर्यून नहीं कर पायी ?? महासभा के गुजरात पदाधिकारी -समर्थक खुद भी तो बरसो से गुजरात के निवासी हैं, गुजरात में व्यापार व्यवसाय कर रहे हैं, उनके पुत्र-पौत्र गुजरात मे पढे हैं -पढ़ रहे हैं। उनके जन्म-मरण-परण गुजरात में हो रहे हे, तो क्या कारण है कि वे गुजरात सेवा संगठन से किनारा कर रहे हैं। अतः महासभा गुजरात के पदाधिकारीयों-समर्थको को “महासभा से जुड़े रहने के साथ साथ” गुजरात सेवा संगठन मे भी अपनी रुचि बढ़ानी चाहिए।

**03** गुजरात सेवा संगठन के पदाधिकारीयों को भी अपने संगठन से जुड़े रहने के साथ साथ महासभा के गुजरात के पदाधिकारीयों-समर्थको को अपने कार्यक्रमों मे आमंत्रित करना एवम ,महासभा गुजरात के कार्यक्रमों मे गुजरात सेवा संगठन की उपस्थिति हो ,यह सुनिश्चित करना चाहिए की दोनों के कार्यक्रमों मे दोनों पक्षो का यथा योग्य सन्मान हो। मेल-मिलाप हो-कार्यक्रमों मे एक



**समाज  
वित्त  
विजय शर्मा  
(चोरीवाड)**

आज के समय में समाज में तलाक के मामलों में वृद्धि एक गंभीर सामाजिक विषय बन गया है। पहले विवाह को जीवनभर का बंधन माना जाता था, लेकिन बदलती जीवन-शैली और सोच के कारण तलाक अब अधिक देखने को मिल रहा है। समाज में बढ़ते तलाक के पीछे कई सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत कारण हैं, जिनमें महिलाओं का सशक्तिकरण, बदलती सामाजिक मान्यताएँ, शहरीकरण का दबाव, अपेक्षाओं का बढ़ना, और कानूनी जागरूकता शामिल हैं; जहाँ पहले विवाह को स्थायी माना जाता था, अब लोग व्यक्तिगत संतुष्टि और अधिकारों को महत्व दे रहे हैं, जिससे रिश्ते अपेक्षाओं पर खराब उतरने पर टूट रहे हैं, और यह ट्रेड शहरों से ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल रहा है।

**तलाक(विवाह-विच्छेद)  
बढ़ने के प्रमुख कारण**

**• आपसी समझ की कमी** - संवाद न होना और छोटी बातों पर विवाद। आज कई रिश्तों, खासकर विवाह, में तनाव और टूटन का बड़ा कारण बन रही है। इसका अर्थ है—एक-दूसरे की भावनाओं, सोच, जरूरतों और परिस्थितियों को सही तरह से न समझ पाना।

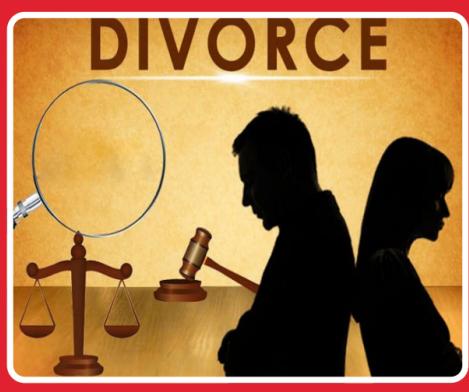
**• अहंकार और सहनशीलता की कमी** - एक-दूसरे को समझने की इच्छा कम होना। अहंकार संवाद को रोक देता है और प्रेम की जगह टकराव पैदा करता है। हाँ अहंकार बड़ा होता है, वहाँ रिश्ता छोटा हो जाता है। और जहाँ सहनशीलता होती है, वहाँ रिश्ते टिकते हैं।

**• आर्थिक तनाव**-बेरोज़गारी, कम आय या खर्चों का दबाव। आर्थिक तनाव आज के समय में विवाह विच्छेद (तलाक) का एक महत्वपूर्ण कारण बनता जा रहा है। जब परिवार की आय सीमित होती है और खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं, तो पति-पत्नी के बीच तनाव उत्पन्न होना स्वाभाविक है। हालांकि पैसे की कमी रिश्तों को नहीं तोड़ती, बल्कि पैसों को लेकर समझ की कमी रिश्तों को कमजोर करती है। सही योजना, संवाद और सहयोग से आर्थिक तनाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

**• संयुक्त परिवार से एकल परिवार** - सहयोग और मार्गदर्शन की कमी। भारतीय समाज में परंपरागत रूप से संयुक्त परिवार व्यवस्था रही है, जहाँ कई पीढ़ियाँ एक साथ रहती थीं। लेकिन समय के

## विशेष - समाज चर्चा प्लेटफॉर्म

# समाज में बढ़ते तलाक (विवाह-विच्छेद) के मामले



साथ सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों के कारण संयुक्त परिवार से एकल परिवार की ओर झुकाव बढ़ा है। संयुक्त परिवार से एकल परिवार की ओर बदलाव पूरी तरह न तो अच्छा है और न ही बुरा। ज़रूरत है संतुलन की—जहाँ स्वतंत्रता भी हो और पारिवारिक सहयोग व संस्कार भी बने रहें। मजबूत पारिवारिक संबंध किसी भी व्यवस्था में समाज की नींव होते हैं।

**• आधुनिक जीवन-शैली** - व्यक्तिगत स्वतंत्रता को रिश्तों से ऊपर रखना। दोनों पति-पत्नी अपने करियर और व्यक्तिगत कामों में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि परिवार और एक-दूसरे के लिए समय नहीं बचता। इससे आपसी संवाद और समझ कम हो जाती है। आधुनिक सोच में व्यक्तिगत इच्छाओं और स्वतंत्रता को अधिक महत्व मिलता है। जीवन स्तर, सुख-सुविधा और सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति बढ़ती अपेक्षाएँ संघर्ष और तनाव पैदा करती हैं। आधुनिक जीवन-शैली स्वयं में विवाह के लिए खतरा नहीं है, लेकिन अगर इसमें संतुलन, संवाद और सहयोग की कमी हो जाए तो यह विवाह विच्छेद का कारण बन सकती है। समझदारी, समय प्रबंधन और आपसी सम्मान से आधुनिक जीवन-शैली में भी सुखी वैवाहिक जीवन संभव है। समस्या तब बनती है जब हम रिश्तों को समय और प्राथमिकता नहीं देते। संतुलित जीवन-शैली ही सुखी परिवार की कुंजी है।

**• सोशल मीडिया का प्रभाव** - अविश्वास, तुलना और समय की कमी। सोशल मीडिया पर दूसरों के जीवन की झलक देखकर अपनी शादी या साथी की तुलना करना। इससे असंतोष और विवाद पैदा होते हैं। अत्याधिक सोशल मीडिया उपयोग से पति-पत्नी के बीच संवाद और समय कम हो जाता है। भावनात्मक दूरी बढ़ती है और आपसी समझ घटती है। सोशल मीडिया स्वयं में बुरा नहीं है, लेकिन इसका अनुचित या अत्याधिक इस्तेमाल विवाह में अविश्वास, असंतोष और संवादहीनता पैदा कर सकता है। समय पर सीमित उपयोग, पारदर्शिता और आपसी विश्वास बनाए रखना ज़रूरी है।

**• अपेक्षाओं का टकराव** - वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी की आपसी अपेक्षाएँ अक्सर एक-दूसरे के व्यवहार, जीवनशैली और निर्णयों से जुड़ी होती हैं। जब ये अपेक्षाएँ मेल नहीं खातीं, तो विवाद, तनाव और अंततः विवाह विच्छेद तक का रास्ता बन सकता है। कई बार समय रहते समाधान न होने पर विवाह विच्छेद की संभावना बढ़ जाती है।

**• बदलती सामाजिक सोच और स्वतंत्रता की चाह** - आज का समाज तेजी से बदल रहा है। लोग अधिक स्वतंत्रता चाहते हैं, व्यक्तिगत पसंद और करियर को महत्व देते हैं, और परंपराओं या पारिवारिक दबाव को कम मानते हैं। यह बदलती सोच कभी-कभी विवाह में तनाव और विवाद का कारण बन सकती है। बदलती सामाजिक सोच और स्वतंत्रता की चाह समाज और जीवनशैली में सुधार ला सकती है, लेकिन अगर इसे समझदारी, संवाद और सहनशीलता के साथ न निभाया जाए, तो यह पारिवारिक और दांपत्य संबंधों में तनाव का कारण भी बन सकती है।

**• परिवारों का अनावश्यक हस्तक्षेप** - वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी के बीच समझ, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता बहुत ज़रूरी होती है। जब परिवार अत्यधिक या अनावश्यक रूप से दखल देता है, तो यह तलाक का कारण बन सकता है। परिवार हर छोटी-बड़ी बात में दखल देता है—जैसे बच्चों की परवरिश, घर का खर्च, जीवनशैली। कभी कभी माता-पिता या ससुराल वालों की अपेक्षाएँ पति-पत्नी की सोच से मेल नहीं खातीं। बार-बार हस्तक्षेप से छोटे विवाद भी बड़े झगड़ों में बदल सकते हैं। परिवार का लगातार दबाव और आलोचना मानसिक तनाव बढ़ाता है। निजी मामलों में दखल से आपसी भरोसा कमजोर होता है। समय के साथ यह दूरी बढ़ती है और रिश्ते टूटने लगते हैं। परिवार का सहयोग वैवाहिक जीवन के लिए सहायक बन सकता है, लेकिन अनावश्यक हस्तक्षेप और दबाव रिश्तों को कमजोर कर सकते हैं। यही स्थिति धीरे-धीरे तलाक की ओर ले जा सकती है। ऐसे में पति-पत्नी को

अपने निर्णय लेने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। परिवार मार्गदर्शन कर सकता है, लेकिन नियंत्रण नहीं। जब रिश्ते में दूसरों का दखल ज्यादा हो जाती है, तो गलतफहमियाँ बढ़ने लगती हैं। शादी दो लोगों की होती है, पूरे समाज की नहीं।

**• भावनात्मक समझ की कमी** - विवाह केवल कानूनी या सामाजिक बंधन नहीं है, यह भावनाओं, समझदारी और आपसी सहयोग पर आधारित रिश्ता है। जब पति-पत्नी में भावनात्मक समझ की कमी होती है, तो रिश्ते में तनाव और मतभेद बढ़ते हैं। कई बार पति या पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं, परेशानियों और इच्छाओं को ठीक से नहीं समझते। संवाद सिर्फ तर्क और बहस तक सीमित रह जाता है, भावनाओं का आदान-प्रदान नहीं होता। छोटे विवाद भी बड़े झगड़ों में बदल सकते हैं। भावनात्मक दूरी बढ़ती है। आपसी भरोसा और प्रेम कमजोर पड़ता है।

**• महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता** : महिलाएं अब आत्मनिर्भर हैं और खुद का सहारा बन सकती हैं, जिससे वे नाखुश शादी में बंधे रहना ज़रूरी नहीं समझतीं। उसे पता होता है कि वह अकेले भी अपना जीवन चला सकती हैं, इसलिए वह अस्वस्थ या अपमानजनक रिश्ते को जारी रखने के लिए बाध्य नहीं रहती।

**• रिश्तों में गलतफहमियाँ** : बार-बार तलाक की धमकी देना, दूसरों से तुलना करना, और पुरानी बातों को पकड़कर रखना रिश्ते को कमजोर करता है। छोटी-छोटी बातों का गलत मतलब निकालना शुरू हो जाता है। समय के साथ यह झगड़े और दूरी का कारण बन जाता है। हर व्यक्ति रिश्ते से अलग तरह की उम्मीदें रखता है। जब ये अपेक्षाएँ पूरी नहीं होतीं, तो नाराजगी और असंतोष पैदा करता है।

**जरूरत से ज्यादा उम्मीदें रखना** - एक्सपर्ट बताते हैं, रिश्ते में भावनात्मक, आर्थिक या शारीरिक उम्मीदें अगर जरूरत से ज्यादा हों, तो भी समय के साथ दूरियाँ बढ़ने लगती हैं। हालांकि जरूरत से ज्यादा उम्मीदें रखना तलाक का सीधा कारण नहीं,

लेकिन यह रिश्ते में तनाव, असंतोष और गलतफहमियों को बढ़ा सकता है।

**अपनी गलतियों पर ध्यान न देना**

अगर व्यक्ति अपनी गलतियों को नहीं देखता, तो वही चीज़ बार-बार विवाद का कारण बनती है। पार्टनर को हमेशा “गलत साबित करने” या “सही साबित करने” की स्थिति में होना पड़ता है। व्यक्ति अपनी गलती न मानते हुए संवाद को टालता या नकारता है। यह रिश्ते में समस्याओं के समाधान को कठिन बना देता है।

**अफेयर या पुराने रिश्तों से जुड़ाव**

एक्स से संपर्क बनाए रखना या बाहर अफेयर में पड़ना रिश्ते की सबसे बड़ी गलती है। भरोसा एक बार टूटा, तो रिश्ता टिक नहीं सकता। अगर दोनों पार्टनर मिलकर रिश्ते को निभाने की कोशिश करें, तो कोई भी तूफान उसे नहीं तोड़ सकता। शादी कोई मंजिल नहीं बल्कि एक सफर है, जिसे रोज थोड़ा-थोड़ा चलना पड़ता है। ऐसे में अगर आप इन बातों को समझ लें तो आपका ये सफर बिना किसी परेशानी के प्यार के आगे बढ़ सकता है।

**संभावित समाधान**

**01 संवाद को प्राथमिकता** : पति-पत्नी के बीच खुलकर, सम्मान के साथ बातचीत बहुत ज़रूरी है। समस्याओं को दबाने के बजाय समय पर साझा करना चाहिए।

**02 विवाह से पहले सही तैयारी** : शादी से पहले एक-दूसरे की सोच, लक्ष्य, जिम्मेदारियों और अपेक्षाओं पर खुली चर्चा होनी चाहिए।

**03 काउंसलिंग और मार्गदर्शन** : विवाह से पहले और बाद में काउंसलिंग रिश्ते को समझने और सहेजने में मदद कर सकती है।

**04 धैर्य और समझदारी** : हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं। छोटी बातों पर जल्दबाज़ी में बड़े फैसले लेने से बचना चाहिए।

**05 परिवार की सकारात्मक भूमिका** : परिवार सहयोग करे, दबाव न बनाए। समाधान में मदद करे, आग में घी न डाले।

**06 बराबरी और सम्मान** : रिश्ते में किसी एक का दबदबा नहीं, बल्कि बराबरी, सम्मान और सहयोग होना चाहिए।

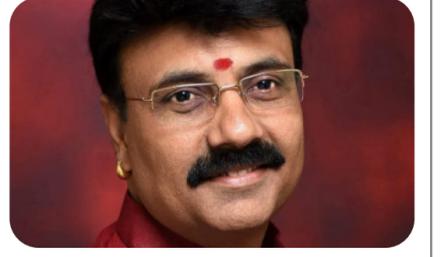
**07 आत्मनिर्भरता के साथ संतुलन** : आत्मनिर्भर होना अच्छा है, लेकिन रिश्ते में “मैं” से ज़्यादा “हम” ज़रूरी होता है। शक और अटकलबाज़ी से बचें। भरोसा और सम्मान बढ़ाएं।

## कोटा से निकले तीर्थयात्रीयो की अहमदाबाद में हुई भावसेवा

कोटा (राजस्थान) से तीर्थ यात्रा पर निकले हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज के लोगों का एक ग्रुप उज्जैन (MP) में महाकालेश्वर के दर्शन करने के बाद सोमनाथ(गुजरात) के लिए रवाना हुआ था। इसी बीच, आज सुबह जब तीर्थयात्रियों की ट्रेन अहमदाबाद पहुंची, तो SS मावावाला परिवार-अहमदाबाद की तरफ से रेलवे स्टेशन पर समाज के तीर्थयात्रियों के लिए स्वादिष्ट नाश्ते का इंतजाम किया गया। उसके बाद, सभी तीर्थयात्रियों ने हर-हर महादेव का नारा लगाकर उनका आभार जताया। और वहां से आगे की यात्रा पर रवाना हुए।



उज्जैन के शहर अध्यक्ष कांग्रेस कमिटी  
शहर महामंत्री आदरणीय वरुण जी  
शर्मा को शुभकामनाएं



अखिल भारतीय श्री हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज उज्जैन के शहर अध्यक्ष कांग्रेस कमिटी शहर महामंत्री आदरणीय वरुण जी शर्मा को शहर के प्रतिष्ठित बम्बाखाना व्यापारिक एसोसिएशन के पुनःअध्यक्ष निर्वाचित होने पर मंगलमय शुभकामनाएं

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर स्व.कजोड़मलजी शर्मा (बोहरा)  
(निवास - वडोदरा) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 11 अक्टूबर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर इंदौर निवासी स्व.प्रहलादजी सिंगवाड़ीया  
की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 5 नवम्बर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर मथुरा निवासी स्व.शकुन्तला जुगलकिशोर शर्मा  
की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 30 अक्टूबर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर नडियाद निवासी स्व.प्रेमशंकर विष्णुप्रसाद पंडित  
की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 19 दिसम्बर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर नडियाद निवासी स्व.पंडित शशीकांतभाई  
भीखाभाई की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 30 नवम्बर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर सिद्धपुर निवासी स्व.योगेशकुमार हरिशंकरजी शर्मा(मूल  
जटपुरा, जिला अलीगढ़) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 23 अक्टूबर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



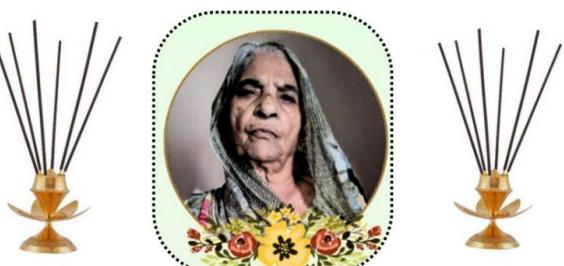
परमपिता परमेश्वर स्व.रमेशभाई कनैयालाल शर्मा (निवास - वडोदरा)  
की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 24 सितम्बर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर स्व.रामेश्वरलालजी शर्मा(लालीजी महाराज)  
(निवास - अहमदाबाद) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 08 अक्टूबर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर स्व.शांताबेन रामगोपालजी शर्मा(अंगूरीदेवी)  
(निवासी - गांधीनगर) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 04 अक्टूबर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर स्व.शिवशंकर देवीरामजी शर्मा  
(निवास - वडोदरा) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 07 अक्टूबर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



परमपिता परमेश्वर सिद्धपुर निवासी स्व.शिवशंकरजी राधाकिशनजी शर्मा(मूल  
निवासी अजमेर-राजस्थान) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 21 अक्टूबर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

### भावपूर्ण श्रद्धांजलि



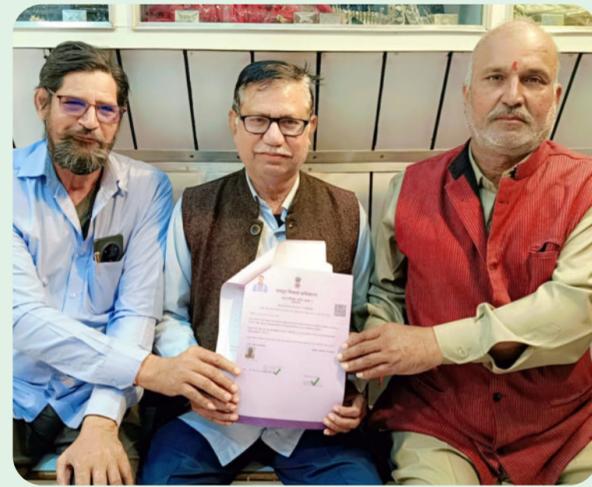
परमपिता परमेश्वर स्व.सतीशभाई राजाराम शर्मा (निवास - वडोदरा)  
की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।  
भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति  
(स्वर्गवास तारीख - 17 सितम्बर 2025)  
हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

# हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के लिए साल 2025 की सबसे बड़ी उपलब्धि

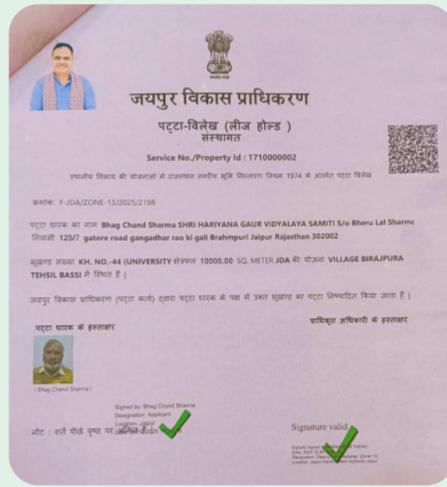
राजस्थान सरकार ने श्री हरियाणा गौड़ विद्यालय समिति को महाविद्यालय (कोलेज-शिक्षाभवन) बनाने के लिए 10,000 स्क्वायर मीटर (लगभग 4 बीघा) ज़मीन दी है

सहयोगी पंकज शर्मा (अहमदाबाद), राजेश बंदावला(भाजपुरा) : राजस्थान में शैक्षणिक परिसर बनाने के लिए हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के सराहनीय प्रयासों से एक से अधिक जिलों में जमीन प्राप्त करने में सफलता मिली है। श्री हरियाणा गौड़ विद्यालय समिति के पूर्व अध्यक्ष जगदीश प्रसाद बंदावला, भागचंद शर्मा (मंत्री), समिति के वर्तमान उपाध्यक्ष गिरधारी बंदावला, लक्ष्मण मीणा (पूर्व विधायक-बरसी), विद्यालय समिति का समस्त स्टाफ, अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधिचंद शर्मा, रामजीलाल पंचोली, विष्णुजी दंडायत, राजेश बंदावला, प्रह्लाद बंदावला, रतनजी जलमहल, रामरतनजी, घनश्याम पंचोली सहित राजस्थान के समाज बंधुओं के सहयोग व लगातार प्रयासों से शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए जमीन प्राप्त करने में सफलता मिली है। आज से पांच वर्ष पूर्व श्री हरियाणा गौड़ विद्यालय समिति के पूर्व अध्यक्ष द्वारा शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए जमीन आवंटन हेतु सरकार के समक्ष लिखित आवेदन किया गया था। अंततः पांच वर्ष के इंतजार, लगातार प्रयासों, दफतरों में धक्के खाने व अधिकारियों के लगातार फॉलोअप के बाद जमीन सफलतापूर्वक प्राप्त हुई।

इस बारे में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम से बातचीत में श्री हरियाणा गौड़ विद्यालय समिति के पूर्व अध्यक्ष जगदीश प्रसाद बंदावला ने बताया कि पांच साल पहले हमने बरसी में एक एजुकेशनल इंस्टिट्यूट बनाने



पूर्व अध्यक्ष जगदीश प्रसाद बंदावला और भागचंद शर्मा को आधिकारिक तौर पर ज़मीन अलॉटमेंट पत्र प्राप्त हुआ



## बिराजपुर(बरसी) में समुदाय के लिए 15 से 20 करोड़ की लागत से "हारित महाविद्यालय" बनाने का सपना सच होगा

के मकसद से राज्य सरकार के पास अर्जी दी थी। उस समय लक्ष्मण मीणा बरसी के MLA थे। उनके एडमिनिस्ट्रेशन से इस के लिए बेहतर पैरवी की थी। बाद में फाइलों पर काम अटक गया। श्री हरियाणा गौड़ विद्यालय समिति के पूर्व अध्यक्ष होने के नाते मैं और भागचंद शर्मा (समिति के मंत्री) और हमारी पूरी टीम लगातार सरकार में हमारी फाइल विलयर कराने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान ऑल इंडिया हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष बिरधिचंद शर्मा ने भी भजनलाल शर्मा से लगातार बात करके हमारी कोशिशों को और मजबूत किया। हालांकि इस पूरी समय प्रक्रिया में हमने बार बार सरकारी दफतरों के चक्कर लगाए। आखिर में वह समय आया जब बिराजपुर गांव में हमें जमीन मिलनेवाली थी। हमें बुलाया गया लेकिन शर्त यह थी कि जमीन अलॉटमेंट से 20 दिन पहले सरकार में 80 लाख रुपये जमा कराने थे। तो समाज के भामाशाहों ने सहयोग करने की तैयारी दिखाई। एक के बाद एक

भामाशाह मिलते गए। हालांकि यह बहुत मुश्किल काम था, लेकिन भामाशाहों के सहयोग से दिन-रात फील्डवर्क और घंटों की लगातार मेहनत के बाद यह पूरा हुआ। हमने वह पैसा सरकार में जमा करा दिया। आखिरकार बिराजपुर-बरसी में 10000 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन पत्र हमें प्राप्त हुआ। इसके लिए लगभग 80 भामाशाहों ने आर्थिक मदद देकर बहुत बड़ी भूमिका निभाई। हम उन सभी सहयोगियों का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने इन पांच सालों में तन-मन-धन से

कदम से कदम मिलाकर हमारा साथ दिया है। इतना ही नहीं आज के मॉडर्न ज़माने में उन्होंने अपना कीमती समय दिया और हमारे साथ खड़े रहे। मैं उन वॉलंटियर्स का भी आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने इतना समय दिया। और राजस्थान सरकार का भी आभार प्रकट करता हूँ।

**हारित महाविद्यालय 15 से 20 करोड़ से ज़्यादा की लागत से बनेगा**

जगदीश बंदावला ने गुजरात पत्रिका टीम को बताया कि ज़मीन मिल गई है। इसलिए अब हम वहाँ हारित महाविद्यालय बनाने जा रहे हैं। जल्द ही हम इसके लिए डिज़ाइन तैयार कर लेंगे। हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाजबंधु के सहयोग से इस ज़मीन पर हारित महाविद्यालय बनाया जाएगा। यहाँ समाज के बेटे-बेटियाँ कॉलेज लेवल की पढ़ाई कर सकेंगे। हम यहाँ रहने और खाने की सुविधा देने की भी कोशिश करेंगे। यह प्रोजेक्ट बड़ा है, इसलिए हम अपने सभी इलाकों में रहने वाले समाजबंधुओं से अपील कर रहे हैं कि वे इस एजुकेशन प्रोजेक्ट में सहयोग करें। यह जगह जयपुर से 30 किलोमीटर, दौसा से 35 किलोमीटर दूर है।

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम समाज के सदस्यों की कोशिशों की तारीफ़ करती है। समाज के लिए गर्व का पल लाने के लिए पूरी टीम को बधाई। आप सभी के अथक प्रयासों, दृढ़ संकल्प और समर्पण से यह महत्वपूर्ण सफलता समाज की शिक्षा एवं प्रगति के लिए एक नया अध्याय खोलेंगी।

## समाजबंधुओ से अपील

“वर्ष के समापन पर हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम की ओर से समाज के सभी सदस्यों से विनम्र निवेदन है कि यदि हमारे किसी निर्णय, कार्यक्रम या किसी सदस्य के शब्द/व्यवहार से किसी को ठेस पहुँची हो अथवा यदि वर्ष भर में किसी भी स्तर पर कोई त्रुटि या असुविधा हुई हो, तो हम हृदय से क्षमा चाहते हैं। आपका सहयोग और मार्गदर्शन सदैव अपेक्षित है। नववर्ष(2026) में हमारा समाज अधिक से अधिक प्रगति करे यही कामना है। समाजहित में अब हमारी टीम वर्ष 2026 में डिजिटल और सामाजिक मंचों का उपयोग और बेहतर तरीके से करेंगी।”

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण गुजरात  
पत्रिका टीम



## CAT-2025 (COMMON ADMISSION TEST)

सौम्या प्रियेश शर्मा  
पता - आजवा रोड, बडोदरा  
गौत्र - बंदावला  
CAT में प्राप्त परिणाम - 98.08%



CAT परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने पर आपको हार्दिक बधाई।

कैट (CAT) यानि कॉमन एडमिशन टेस्ट, भारत की एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जो मुख्य रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थानों (IIMs) और अन्य शीर्ष बिजनेस स्कूलों में MBA और PGDM जैसे पोस्ट-ग्रेजुएट मैनेजमेंट प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए आयोजित की जाती है, जिसे IIMs बारी-बारी से कराते हैं और यह परीक्षा तीन सेक्शन (VARC, DILR, QA) में बंटी होती है, जो कंप्यूटर-आधारित होती है और प्रबंधन शिक्षा के लिए सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक मानी जाती है।

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

## CAT-2025 (COMMON ADMISSION TEST)

यश राजुभाई शर्मा  
पता - सयाजीगंज, बडोदरा  
गौत्र - विहाल/बिहार  
CAT में प्राप्त परिणाम - 98.29%



CAT परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने पर आपको हार्दिक बधाई।

कैट (CAT) यानि कॉमन एडमिशन टेस्ट, भारत की एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जो मुख्य रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थानों (IIMs) और अन्य शीर्ष बिजनेस स्कूलों में MBA और PGDM जैसे पोस्ट-ग्रेजुएट मैनेजमेंट प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए आयोजित की जाती है, जिसे IIMs बारी-बारी से कराते हैं और यह परीक्षा तीन सेक्शन (VARC, DILR, QA) में बंटी होती है, जो कंप्यूटर-आधारित होती है और प्रबंधन शिक्षा के लिए सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक मानी जाती है।

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम